Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

ज्ञान की बातें
जहां सुमति है वहां नाना प्रकार का सम्पत्ति है।
-तुलसीदास-

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 260 रविवार ,24 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया जल्द जेल में होंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2022। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ अनिल कुमार के नेतृत्व में भारी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में हुए हजारों करोड़ के शराब घोटाले को अंजाम देने वाले उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के इस्तीफे की मांग को लेकर आज डीडीयू मार्ग स्थित आम आदमी पार्टी मुख्यालय का घेराव किया। दिल्ली पुलिस की दमनकारी नीति आज भी जारी रही, प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।चौ अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में नियमों को ताक पर रखकर शराब नीति लागू करने वाले मनीष सिसोदिया को अरविन्द केजरीवाल तुरंत प्रभाव से पदमुक्त करें। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले दिन से ही केजरीवाल की शराब नीति का विरोध कर रही है और शराब घोटाले की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने केजरीवाल की शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार की जांच कराने के लिए तत्कालीन उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत भी की थी। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मांग का ही असर है कि उपराज्यपाल ने लागू शराब नीति में हुए भारी भ्रष्टाचार की सीबीआई द्वारा जांच की सिफारिश की है।

संजय राउत ने साधा केंद्र पर निशाना, कहा- शिवसेना को बर्बाद करना चाहती है दिल्ली

मुंबई ,23 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में शिवसेना नेता संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ने 56 साल पहले हिंदुत्व को ध्यान में रखकर शिवसेना की स्थापना की थी। अब चुनाव आयोग इस पर सवाल उठा रहा है। यह महाराष्ट्र के लोगों के लिए बेहद शॉकिंग हैं। राउत की यह प्रतिक्रिया चुनाव आयोग के उस आदेश के बाद आई है, जिसमें उसने शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट से शिवसेना में नेताओं की मेजॉरिटी साबित करने संबंधी कागजात मांगे हैं। संजय राउत ने कहा कि आज उद्धव ठाकरे ही शिवसेना के एकमात्र नेता हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली हमारी पार्टी को बर्बाद करना चाहती है। वहीं चुनाव आयोग ने चुनाव चिन्ह (रिजर्वेशन एंड एलॉटमेंट) आदेश 1968 के पैराग्राफ 15 के तहत दोनों पक्षों से कागजात मांगे हैं।

गुजारा भत्ता मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी,बेटियां परिवार पर बोझ नहीं

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2022। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेटियां परिवार पर बोझ नहीं हैं। एक महिला द्वारा अपने पिता के खिलाफ गुजारा भत्ते से जुड़ी एक याचिका पर फैसला करते जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने यह टिप्पणी की। प्रतिवादी पुरुष की ओर से पेश वकील ने कहा कि महिला एक दायित्व है। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने संविधान के अनुच्छेद 14 का हवाला देते हुए कहा कि बेटियां एक दायित्व नहीं हैं, जोकि कानून के समक्ष समानता से संबंधित है। साथ ही उन्होंने वकील को अनुच्छेद 14 का ठीक से अध्ययन करने की बात कही।

अक्टूबर 2020 में बेटी की ओर से पेश

वकील ने कहा था कि अप्रैल 2018 के बाद बेटी के लिए 8,000 रुपये प्रति माह और पत्नी के लिए 400 रुपये प्रति माह के भरण-पोषण की बकाया राशि का कोई भुगतान नहीं किया गया। तब शीर्ष कोर्ट ने उस व्यक्ति को दो सप्ताह के भीतर अपनी पत्नी और बेटी को 2.50 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार बाद में जब इस साल मई में यह मामला सुनवाई के लिए आया तो पीठ को बताया गया कि पत्नी की पिछले साल मौत हो गई थी। व्यक्ति की ओर से पेश वकील ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि उसने भरण-पोषण की बकाया राशि का भुगतान कर दिया है और साथ ही उसने बैंक स्टेटमेंट का हवाला दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, परीक्षा पर ध्यान दे महिला ताकि पिता पर न रहना पड़े निर्भर

शुक्रवार को यह मामला जब सुनवाई के लिए आया तो पीठ को बताया गया कि महिला एक वकील है और उसने न्यायिक सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा पास कर ली है। कोर्ट ने कहा कि महिला को अपनी परीक्षा पर ध्यान देना चाहिए ताकि वह अपने पिता पर निर्भर न रहे। पीठ को यह सूचित करने के बाद कि महिला और उसके पिता ने लंबे समय से एक-दूसरे से बात नहीं की है, अदालत ने बाप-बेटी को बात करने का सुझाव भी दिया। साथ ही पीठ ने उस व्यक्ति को आठ अगस्त तक अपनी बेटी को 50,000 रुपये का भुगतान करने को कहा।

भोपाल में स्कूल के टॉयलेट में 8 साल की बच्ची से रेप,मासूम ने कहा-पीले शर्ट वाले अंकल ने किया है गलत काम

भोपाल, 23 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से सनसनीखेज और शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. चौथी क्लास की छात्रा के साथ रेप की वारदात हुई है. हवस की आग मिटाने के लिए महिला सफाई कर्मी के पति ने रेप की घटना को अंजाम दिया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. लेकिन स्कूल प्रबंधन की यह बड़ी लापरवाही है. स्कूल के सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं.

आरोपी

जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला कोहेफिजा थाना इलाके का है. सरकारी स्कूल में यह घटना हुई है. 6 दिन पहले ही 8 साल की बच्ची का स्कूल में एडमिशन हुआ था. लंच के समय मासूम बाथरूम गई थी. इसी दौरान महिला सफाई कर्मी के पति ने बहला फुसलाकर स्कूल के टॉयलेट में ही मुंह दबाकर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया. बच्ची चौथी कक्षा में पढ़ती है. बच्ची ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी. बच्ची ने कहा कि पीले शर्ट वाले अंकल ने गलत काम किया है.

जिसके बाद परिजनों ने फोहेफिजा थाने में शिकायत दर्ज कराई है. यह पूरी घटना कल की बताई जा रही है. घटना की शिकायत के बाद पुलिस तत्काल हरकत में आई और एक्शन लिया. आरोपी की पहचान करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेगी. उसके बाद आगे की कार्रवाई करेगी. शादीशुदा होने के बाद बावजूद आरोपी ने घिनौनी वारदात को अंजाम दिया है. इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है.

इस मामले में स्कूल प्रबंधन भी बचता नजर आया. स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बारिश के चलते सीसीटीवी कैमरे 2 दिन से बंद है. उन्होंने बताया कि आरोपी बहला फुसलाकर बच्ची के साथ टॉयलेट में रेप किया है. बड़ा सवाल ये उठता है कि परिजन अपने छोटे-छोटे बच्चियों को स्कूल के भरोसे पढ़ने के लिए भेजते हैं. बावजूद इसके स्कूल प्रबंधन की इस तरह की लापरवाही सामने आई है. फिलहाल पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की तफ्तीश में जुट गई है।

विचाराधीन मामलों की जांच की मांग को लेकर अलगाववादी नेता यासीन मलिक की तिहाड़ जेल में भूख हड़ताल

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2022। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट का चीफ यासीन मलिक ने भूख हड़ताल कर दी है। आतंकी यासीन मलिक का कहना है कि उसके ऊपर जो मामला दर्ज किया गया है वह अभी विचाराधीन चल रहा है उस पर सही से जांच नहीं की जा रही है इसलिए वह भूख हड़ताल पर बैठा है। इस दौरान जब जेल के आला अधिकारी यासीन मलिक को समझाने पहुंचे तो उसने साफ इनकार कर दिया।

बता दें कि अप्रैल, 2019 में एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में टेरर-फंडिंग और अलगाववादी समूहों से जुड़े मामले में मलिक को गिरफ्तार किया था। तो वहीं इससे पहले मलिक ने 13 जुलाई को दिल्ली के विशेष अदालत से पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबिया सईद के अपहरण से जुड़े मामले में प्रत्यक्ष रूप से पेश होने और गवाहों से खुद जिरह करने की अनुमति मांगी थी। मलिक ने कहा था इसकी अनुमति न मिलने पर वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेगा।

बता दें कि यासीन मलिक को 25 मई को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दिल्ली की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इससे पहले 2017 में मलिक को कश्मीर घाटी में आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों से संबंधित मामले में दोषी ठहराया गया। वहीं, 19 मई को दिल्ली की एनआईए अदालत ने उसे टेरर फंडिंग मामले में दोषी ठहराया।

गौरतलब है कि यासीन मलिक प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का प्रमुख है। उसे आतंकवाद के वित्त पोषण से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

ममता बनर्जी सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी गिरफ्तार, करीबी के घर से मिले से 20 करोड़ रुपए कैश

कोलकाता, 23 जुलाई 2022। ममता बनर्जी कैबिनेट में कद्दावर मंत्री पार्थ चटर्जी को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 24 घंटे की पूछताछ के बाद चटर्जी पर ये कार्रवाई की गई है। उन पर शिक्षक भर्ती घोटाले का आरोप है। चटर्जी के घर के बाहर सीआरपीएफ की तैनाती की गई है।

शुक्रवार को ईडी की टीम ने पार्थ चटर्जी, शिक्षा राज्य मंत्री परेश सी अधिकारी, माणिक भट्टाचार्य के घर समेत 13 जगहों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान चटर्जी की करीबी अर्पिता के घर से 20 करोड़ रुपए कैश मिले थे। ईडी अधिकारियों ने 500 और 200 के नोटों को गिनने के लिए काउंटिंग मशीन की मदद ली थी।

केंद्र सरकार ने ध्वज संहिता में किया बड़ा बदलाव, अब दिन-रात फहराया जा सकेगा तिरंगा

नई दिल्ली , 23 जुलाई 2022। सरकार ने ध्वज संहिता में बदलाव किया है। इसके साथ अब तिरंगे को दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। साथ ही मशीन और पॉलिएस्टर से बने ध्वजों का उपयोग करने की भी अनुमति होगी। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान शुरु करने जा रही है।

रेलवे स्टेशन पर महिला से गैंगरेप:रेलवे में नौकरी दिलवाने के बहाने 4 दरिंदों ने किया रेप,चारों अरेस्ट

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2022। रेलवे में नौकरी दिलवाने के बहाने रेलवे स्टेशन पर एक महिला (30 साल) के साथ गैंगरेप के मामले में रेलवे के 4 कर्मचारियों को अरेस्ट किया गया है. चारों आरोपी रेलवे के इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट के हैं. उन्होंने गुरुवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर बने ट्रेन लाइटिंग रूम में रेप की वारदात को अंजाम दिया. जब दो आरोपी महिला का रेप कर रहे थे तो दो आरोपी बाहर गार्ड के तौर पर खड़े रहे.

आरोपियों की पहचान सतीश कुमार (35 साल), विनोद कुमार (38 साल), मंगल चंद (33 साल) और जगदीश चंद (37 साल) के तौर पर हुई है. रेलवे ष्छक हरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला ने सुबह 3.27 बजे उन्हें कॉल करके घटना की जानकारी दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसका रेस्क्यू किया. महिला ने पुलिस को बताया कि वह हरियाणा की रहने वाली है. वह दो साल पहले अपने पति से अलग हुई थी और नौकरी की तलाश में थी. वह एक दोस्त के जरिए सतीश से मिली थी, जिसने उसे रेलवे में नौकरी दिलवाने का वादा किया था।

सड़क हादसे में 6 कांवरियों की मौत:चक्काजाम के बाद 4-4 लाख मुआवजे का ऐलान,अंत्येष्टि के लिए 25-25 हजार की सहायता,MLA ने भी दी राशि

ग्वालियर, 23 जुलाई 2022। सड़क हादसे में मौत छह लोगों के शव एमपी ग्वालियर लाए गए। शवों के आते ही परिजनों और ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने सड़क पर 6 शवों को रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। परिजन मृतकों के आश्रितों को 10 -10 लाख रुपए मुआवजे और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग पर अड़े हुए थे।

प्रशासन ने सभी 6 मृतकों के परिवार के लिए 4 - 4 लाख रुपये प्राथमिक आर्थिक सहायता की मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त 6 - 6 लाख रुपये की राशि स्वीकृति के लिए शासन स्तर पर भेजने का आश्वासन दिया है। 25- 25 हजार रुपये की राशि अंत्येष्टि के लिए दी गयी है। मौके पर पहुंचे कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने 10 -10 हजार रुपये की राशि अपनी ओर से दी। सभी 6 कांवरियों के शव गांव के लिए रवाना हो गए। कुछ ही देर में शव बहांगी खुर्द गांव पहुंचेगा।

बड़ागांव नेशनल हाईवे पर चक्काजाम की खबर लगते ही जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने सड़क पर से जाम हटाने और शवों की अंतिम संस्कार करने की समझाइश दी। समझाइश के बाद भी परिजन और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। वहां पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

एडीएम सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौके पर मृतकों के परिजनों को समझाइश दे रहे हैं। प्रशासन की ओर 4- 4 लाख रुपये संबल योजना के तहत और शेष मृतक के लिए प्रस्ताव बनाकर देने का आश्वासन दिया गया है। समाचार के लिखे जाने तक ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

बता दें कि जलाभिषेक करने निकले कावड़ यात्रियों के साथ भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में जहां 6 कावड़ियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं 2 कावड़िए घायल हो गए। यह भीषण हादसा उत्तरप्रदेश के हाथरस में हुआ है। ग्वालियर से हरिद्वार जा रहे कावड़ियों को तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया जिससे 6 कावड़ियों की मौके पर मौत हो गई। सभी मृतक ग्वालियर जिले के बांगी खुर्द गांव के रहने वाले थे।

रेलवे ने 11 श्रेणियों में जारी रखी रियायत वरिष्ठ नागरिकों को छूट देने को लेकर रेल मंत्री ने कही ये बात

नई दिल्ली, 23 जुलाई 2022। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी श्रेणियों के रेल यात्रियों को रियायतें देने का विचार नहीं है. हालांकि रेलवे ने दिव्यांग की चार श्रेणियों, रोगियों और विद्यार्थियों की 11 श्रेणियों के लिए किराये में रियायत जारी रखी है.

एक सवाल के लिखित जवाब में रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी यात्रियों की औसतन यात्रा की लागत का 50 प्रतिशत से अधिक भार पहले से ही वहन कर रही है. इसके अलावा, कोरोना के कारण बीते दो वर्ष की यात्री आमदनी 2019-2020 की तुलना में कम है. इसलिए वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी श्रेणियों के यात्रियों को रियायतें देने का दायरा बढ़ाना वांछनीय नहीं है.

यात्री ट्रेन निजी संचालकों को देने का प्रस्ताव नहीं- रेल मंत्री ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि यात्री ट्रेनों का संचालन निजी संचालकों को सौंपने संबंधी कोई प्रस्ताव नहीं है. राष्ट्रीय परिवहन की अपने नेटवर्क में चरणबद्ध तरीके से निजी ट्रेनों की शुरुआत करने की योजना है. कुछ ट्रेनों का संचालन 2023-24 में शुरू होगा और 2027 तक सभी 151 ऐसी ट्रेनों का परिचालन होने लगेगा. रेल मंत्री ने कहा कि रेल परिचालन में समयबद्धता और सुरक्षा महत्वपूर्ण है इसलिए रेलगाड़ियों के 2500 से अधिक ठहराव समाप्त कर दिए गए हैं.

2359 किसान रेल चलाई गई- रेल मंत्री ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि 7 अगस्त 2020 को किसान रेल सेवाओं के शुरू होने के बाद 30 जून 2022 तक रेलवे ने करीब 2359 ऐसी ट्रेन का संचालन किया. उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान शीघ्र खराब होने वाली करीब 7.9 लाख टन वस्तुओं की ढुलाई रेलवे की ओर से की गई.

अग्निपथ आंदोलन से रेलवे को 259 करोड़ का नुकसान- सेना में अग्निपथ योजना लागू करने के विरोध में आंदोलन के चलते 2100 से अधिक ट्रेन रद की गई. इस कारण रेलवे को टिकट रिफंड मद में103 करोड़ रुपये की हानि हुई. एक हफ्ते तक चले विरोध प्रदर्शन में बड़े पैमाने पर प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन और इंजनों में आग लगा दी थी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि अग्निपथ योजना के विरोध की वजह से 15 जून से 23 जून के बीच 2132 ट्रेन रद्द की गई. 14 जून से 30 जून 2022 के बीच ट्रेन रद्द होने के कारण 102.96 करोड़ का रिफंड दिया गया।

रांची में लेडी कांस्टेबल को गाड़ी से कुचलने के आरोप में 3 पशु तस्कर गिरफ्तार

रांची, 23 जुलाई 2022। रांची में लेडी सबइंस्पेक्टर संध्या टोपनो को गाड़ी से कुचलकर मार डालने की वारदात में पुलिस ने तीन पशु तस्करों मो. शाहिद, मो. ताहिर सहित एक अन्य को गिरफ्तार किया है, जिस गाड़ी से वारदात अंजाम दी गई थी, उस पर ये तीनों भी सवार थे। गाड़ी चला रहे निजार को पुलिस ने वारदात के दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। गौरतलब है कि बीते बुधवार को रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र अंतर्गत हुलहुंडू में हाइवे पर पशु तस्करों की पिकअप वैनने लेडी इंस्पेक्टर संध्या टोपनो को उस वक्त कुचल डाला था, जब वह उनके वाहन की चेकिंग कर रही थी। पशुओं से लदी यह पिकअप वैन तीन थाना क्षेत्रों में पुलिस बैरियर तोड़कर भाग रही थी।

इस मामले की जांच रांची के एसएसपी किशोर कौशल खुद कर रहे हैं। पुलिस ने वारदात के बाद जेल भेजे गए निजार को रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। आज गिरफ्तार किए गए तीन तस्करों से भी पूछताछ की जा रही है।

इधर राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस ने राज्यभर में पशु तस्करी करनेवाले गिरोहों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया है। रांची के एसएसपी कौशल किशोर ने जिले के सभी डीएसपी को निर्देश दिया है कि जिन थानों में पशु तस्करों के खिलाफ पहले से मामले दर्ज हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करें। वांटेड तस्करों की गिरफ्तारी के लिए भी स्पेशल ड्राइव चलाने का निर्देश दिया गया है।

शिवसेना विवाद

किसे मिलेगा तीर-कमान, चुनाव आयोग ने शिंदे-ठाकरे से 8 अगस्त तक मांगे दस्तावेज

मुंबई, 23 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में शिवसेना के चुनाव चिन्ह को लेकर मचे विवाद पर चुनाव आयोग ने सुनवाई के लिए दोनों गुटों को नोटिस जारी किया है।

आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट को 8 अगस्त तक पार्टी पर अपने दावे से संबंधित दस्तावेज जमा करने को कहा है। आयोग ने दोनों पक्षों को पार्टी में विवाद पर अपना लिखित जवाब देने को भी कहा है।

बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद उपजे शिवसेना पर संकट पर दोनों गुटों के अपने-अपने दावे हैं। शिंदे गुट के पास पार्टी के 55 में से 40 विधायकों और 18 लोकसभा सांसदों में से 12 का समर्थन है। वहीं,

ठाकरे गुट पार्टी के कार्यकारिणी के समर्थन का दावे पर अपना पक्ष मजबूत किए है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में 1 अगस्त को सुनवाई होनी है।

बागी विधायकों के मामले में अगली सुनवाई 1 अगस्त को

महाराष्ट्र के सियासी संकट पर उद्धव ठाकरे की अगुआई वाले खेमे और एकनाथ शिंदे खेमे की याचिकाओं पर चीफ जस्टिस एनवी रमना की बेंच अगली सुनवाई अब 1 अगस्त को करेगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने विधायकों की सदस्यता मामले में पीठ गठित करने की बात भी कही थी।

फैसले के कारण अटका मंत्रिमंडल विस्तार

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शपथ ली थी। उनके शपथ ग्रहण के बाद से मंत्रिमंडल विस्तार का कार्यक्रम अटका हुआ है। विधायकों की सदस्यता पर फैसला होने के बाद ही मंत्रिमंडल के विस्तार की अटकलें लगाई जा रहीं हैं।

संपादकीय

रेलवे ने आपदा को अवसर बनाया

भारतीय रेलवे ने कोरोना वायरस की महामारी के समय ट्रेन सेवाएं बंद की तो और सेवाएं भी बंद कर दीं। जैसे पहले बुजुर्गों को किराए में 50 फीसदी तक छूट मिलती थी। कोरोना के समय यह कहते हुए इसे बंद किया गया कि छूट बंद करने से बुजुर्ग लोग गैर जरूरी यात्राएं नहीं करेंगे। तब भी इसका मजाक उड़ा था और विरोध भी हुआ था। लेकिन तब लगा था कि कोरोना खत्म होने के बाद शायद फिर से बुजुर्गों के लिए छूट बहाल हो जाएगी। लेकिन बुधवार को संसद सत्र के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ कर दिया कि कोई छूट बहाल नहीं होने जा रही है। पहले बुजुर्गों की गैर जरूरी यात्रा रोकने के लिए छूट बंद की गई थी लेकिन अब कारण बदल गया है। अब रेल मंत्री ने कहा है कि इस पर बहुत खर्च आता है इसलिए इसे बंद कर दिया गया है।

सोचें, बुजुर्ग लोगों को भाजपा की कई सरकारें मुफ्त में तीर्थयात्रा करा रही है। उस पर होने वाला खर्च उठाने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन बुजुर्ग की दूसरी जरूरी ट्रेन यात्रा पर छूट नहीं दी जाएगी क्योंकि खर्च बहुत ज्यादा आ रहा है! इतना हीं नहीं रेल मंत्री ने यह भी कहा कि रेलवे में एसी 1, एसी 2, एसी 3 के अलावा एसी चेयर कार, स्लीपर और जनरल बोगी लगी होती है अगर किसी को यात्रा करनी है तो वह अपनी क्षमता के हिसाब से इनमें से किसी में यात्रा कर सकता है। इसका मतलब है कि अगर किसी बुजुर्ग की हैसियत थर्ड क्लास में चलने की है तो वह उसी में चले वह क्यों सरकारी छूट लेकर सेकेंड क्लास में चलने की सोच रहा है! रेल मंत्री ने यह भी कहा कि अब भी रेलवे की सेवाएं बहुत सस्ती हैं और किराए का 50 फीसदी खर्च रेलवे खुद वहन करता है। सोचें, रेलवे खुद वहन करता है का क्या मतलब है? क्या रेलवे ने कोई नोट छापने की अपनी मशीन लगा रखी है कि उसके पैसे भी लोगों के कर, किराए या मालभाड़े से ही आता है? बहरहाल, आपदा में अवसर बना कर बुजुर्गों और खिलाड़ियों आदि को मिलने वाली छूट समाप्त कर दी गई।

कोमल मन पर आघात, सुरक्षा के नाम पर

रेखा शाह आरबी
बलिया (यूपी)

नेशनल इलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट की परीक्षा के दौरान केरला के कोल्लम स्थित परीक्षा केंद्र पर नीट की परीक्षा मे चेकिंग और सुरक्षा के नाम पर बच्चियों के साथ जो कुछ हुआ वह व्यवहार आश्चर्यजनक एवं क्षोभ जनक भी है, राष्ट्रीय स्तर की इस कठिन परीक्षा में चेकिंग के दौरान उनके अंतर्वस्त्र उतरवाना अपमानजनक तथा उन बच्चियों को मानसिक रूप से निश्चित तौर पर प्रताड़ित करने वाला भी रहा ।

सभी को ज्ञात है स्त्रियों के अंतर वस्त्रों के हुक मेटल के ही होते हैं, उसके बावजूद उसे सुरक्षा के नाम पर उतारने के निर्देश ,चाहे जिस स्तर के अधिकारी ने दिया हो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है ,परीक्षा लेने एव गाइडलाइन बनाने वालों ने गाइडलाइन में ऐसा कहीं भी नहीं लिखा था की अंतर्वस्त्र नहीं पहनने हैं, और यह अंतर्वस्त्र घर पर नहीं बनाए जाते है कंपनियों से वैसे ही लगे हुए आते हैं और बच्चियों तथा स्त्रियों की शारीरिक संरचना के अनुसार अंतर्वस्त्र पहनना उनकी जरूरत है उनका कोई शौक नहीं ,अब तक कोई भी परीक्षा बच्चियां अंतर्वस्त्र पहनकर ही देती चली आ रही हैं, यह पहली बार है इस तरह की निंदनीय घटना सामने आई है।

एक तरफ सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लगाते हुए नहीं थक रही है और दूसरी तरफ लड़कियों के साथ इतना अपमानजनक व्यवहार और मानसिक त्रास दिया जाना दुखद है ,बच्चियों के अंतर्वस्त्र उतरवाने के पश्चात उन्हें लड़कों के साथ ही परीक्षा हाल में एग्जाम देने को कहना उससे भी ज्यादा शर्मिंदगी भरा निर्णय रहा, उस अनकंफरटेबल माहौल में क्या उन बच्चियों की मानसिक अवस्था सामान्य रह पाई होगी?

नीट एक कठिन परीक्षा है बच्चे पूरे साल जी तोड़ मेहनत करते हैं महंगे कोचिंग , महंगे किताब का खर्च उठाकर परीक्षार्थी परीक्षा के लिए अपने आपको तैयार करता है और उस परीक्षा में ऐन परीक्षा के समय यह मानसिक प्रताड़ना उन्हें बुरे रूप में प्रभावित करके उनकी मेहनत पर पानी फेरने के लिए काफी है।

परीक्षा की कठिनता को देखते हुए हर परीक्षार्थी के मां-बाप परीक्षा के मद्देनजर उन्हें तनाव से दूर रखते है..तथा रखने का हर संभव प्रयास करते हैं, क्योंकि यह उनके बच्चों के पूरे भविष्य का सवाल रहता है और कोल्लम के परीक्षा केंद्र के सुरक्षा में लगे हुए अधिकारी इससे अनभिज्ञ नहीं होंगे ,इसके बावजूद परीक्षा के वक्त बच्चियों को अनकंफरटेबल करना अपराध नहीं तो और क्या है।

नीट की परीक्षा में एक एक सेकंड का हिसाब रखकर प्रश्नपत्र तैयार किए जाते हैं इस घटना के बाद उन बच्चियों को एग्जाम हाल में अपने आपको कंफर्टेबल अपनी मानसिक अवस्था को सामान्य करने में कितना वक्त का नुकसान हुआ होगा उसकी भरपाई कौन करेगा !! सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि आगे से ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियो तथा घटनाओं से बचा जा सके क्योंकि यह बच्चियों के सिर्फ कैरियर का ही सवाल नहीं उनकी सुरक्षा और सम्मान की भी बात है।

कोरिया कुमार और थाती के घाती!

महेंद्र दुबे
बैकुन्ठपुर
छत्तीसगढ़

स्व. रामचन्द्र सिंहदेव! ये आधिकारिक नाम कोरिया की पहचान समझा जाता है मगर सादगी और सरलता का पर्याय समझे जाने वाले इस हुतात्मा के कोरिया के प्रति समर्पण और निष्ठा ने कोरिया के जन जन को ऐसे प्रेम और अपनत्व में बांधा है कि उन्हें उनके सामंती नाम ÷कोरिया कुमार÷ से पुकारने में न कभी किसी तरह की राजशाही दासता झलकी और न ÷हुजूर सरकार÷ के सम्बोधन में हीनता महसूस हुई! ÷कोरिया कुमार÷ नाम में कोरिया प्रेम और लगाव इतने गहरे समाया रहता है कि उन्हें उनके आधिकारिक नाम डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव से पुकारना न केवल असहज लगता है बल्कि कोरिया की उनकी अपनत्व भरी थाती को अपमानित करने जैसा भी है।

कोरिया कुमार के चुनावी राजनीति से विदा होने के बाद के दस साल तक कोरिया कुमार की राजनैतिक विरासत की दावेदारी के मामले में राजपरिवार की तरफ से कोई हलचल नहीं दिखी और कोरिया कुमार ने भी अपनी चुनावी राजनीति के किसी उत्तराधिकारी का एलान नहीं किया था! नतीजन लगातार दो चुनाव में कोरिया कुमार के विरासती विकल्प की कोई सुगबुहाट भी नही थी और कोरिया कुमार के आखरी चुनाव के बाद दो बार उनके ही एक समर्थक स्थानीय क्षत्रप की बलि चढाई गयी! मगर 2018 में परिस्थितियां का बदला हुआ रुख दिखा तो लगभग आठ सौ वोट के अल्प अंतर से पिछले चुनाव में खेत रहे उस स्थानीय क्षत्रप की सम्भावित विधायकी पर कब्जा जमाने चुनावी विरासत के दावेदार को तेल की धार नाप कर ग्रेट ब्रिटेन से व्हाया कलकत्ता इम्पोर्ट किया गया और फिर उसके तुरन्त बाद कोरिया कुमार के सपनों के ÷खेला÷ का तंबू पूरे विधानसभा क्षेत्र में गढ़ना शुरू हुआ था! कोरिया कुमार की राजनैतिक विरासत के इम्पोर्टेड दावेदार का आगमन, कोरिया कुमार की विरासत पर घात लगाए कब्जा ब्रिगेड के लिए खुद को राजनैतिक हाशिये से बाहर निकालने का ÷मौका मौका÷ ही था और उन्होंने भी इसे भुनाने में कोई कसर रख नहीं छोड़ी! शहर से लेकर गांव तक कोरिया कुमार के सपने पंख पसारे उड़ान भरने लगे! हर बारिश के बाद पैलेस की सीलन भरी देहरी में फफूंदें उठ आती

होंगी मगर इस बार फफूंदों की जगह खरपतवारी युवा नेता उग आए और कोरिया कुमार के सपनों का रिटेल काउंटर इनके ही हवाले किये! कब्जाई गयी आयातित विरासत की पालकी उठाने कुछ पुराने हरकारे भी दौड़े थे मगर वो चुनावी मंच में सजावट के सामान से ज्यादा कुछ हो भी नहीं सकते थे! चुनावी सभाओं में कोरिया कुमार के सपने सादगी और सरलता की चाशनी में डूबे रहे और 11 दिसम्बर 2018 को बैकुंठपुर विधानसभा ने कोरिया के बकिंघम पैलेस में कथित विरासत की ताजपोशी कर ही दी थी और बैकुंठपुर लन्दन बनने के सफर में निकल गया था! समय बीतते ओढ़ी हुई सादगी की परतें उधड़ने लगी, सरलता का तिलस्म टूटने लगा और 2022 आते तक तो विरासत के इस ÷खेला÷ कल्चर ने न केवल संगठन को लील लिया बल्कि स्थानीय दिग्गजों को फांस के इस लायक भी नहीं छोड़ा कि वो कानाफूसी से ज्यादा कुछ भी कर सके!

राजनीति में सपने बेचने का कारोबार नया नहीं है मगर यहां सपने सिर्फ बेंचे नहीं जाते है और न सिर्फ उनकी ब्रांडिंग और पैकेजिंग की जाती है बल्कि इन सपनों के ब्रांड एम्बेसडर का नाम ÷जब तक सूरज चांद रहेगा÷ कि अगली लाइन जोड़ कर उन सपनों की मार्केटिंग भी की जाती है! एक निर्मल और पवित्र पुण्यात्मा जिसने कभी भी अपनी राजनैतिक विरासत किसी के नाम की भी न हो उसके राजनैतिक उत्तराधिकारी के तौर पर सपनों के किसी आयातित कब्जाधारी कारोबारी का नाम लिया जाये तो न केवल उस पवित्र विरासत के साथ छल होता है बल्कि उसका महान आत्मा का अपमान भी होता है! याद रखियेगा इस यक्ष प्रश्न से आज नहीं कल हर किसी का सामना होना है कि इस चुनावी विरासत ने सपने बेचने के अलावा कोरिया को दिया क्या है?

कोरिया कुमार के कद, व्यक्तित्व और कार्यशैली के कौन से मानक टूटने से बचे है! वो नेता नहीं लीडर थे, उनका पास विजन था, उनके पास विज्डम था और कनविक्शन था मगर उनकी इंटलेक्चुअल थाती उन घातियो के हवाले है जो उनके सपनों का भाषण ठोकते है मगर बक्सा खोल कर देखते भी नहीं कि इन सपनों की इबारतें किन दस्तावेजों में उन्होंने लिख कर छोड़ी हुई है! कहने को बहुत कुछ है मगर इस लेखक में इतनी नैतिकता हमेशा रहेगी कि व्यक्तिगत बातों को सार्वजनिक नहीं किया जाय मगर इतना इशारा करना जरूरी समझता हूं कि इस सादगी और सरलता के पीछे की हकीकत से लेखक तो बखूबी वाकिफ हो चुका है और आपको भी इससे वाकिफ कराना मेरा धर्म है! इसलिए आँखे खोलिए, देखिये, समझिए और खुद तय कीजिये! इस लेखक ने तो तय कर लिया है कि सपनों के इस सौदागर का बचा खुचा तिलस्म भी तोड़ा जायेगा, हजरत निजसमुद्दीन जाने वाली ट्रेन बैकुंठपुर से गुजरने लगी है क्या पता 2023 में बैकुंठपुर स्टापेज वाली कोई ट्रेन अम्बिकापुर से हावड़ा भी चलने लगे, बस समय का इंतजार कीजिये, आवाज तेज होगी, सुर तीखे होंगे, हां, मंच जरूर बदला हुआ होगा मगर जो भी कहा जायेगा.... सच कहा जायेगा और सिर्फ सच ही कहा जायेगा!

आखिर क्यों बदल रहे हैं मनोभाव और टूट रहे परिवार ?

प्रियंका सौरभ
नई दिल्ली

भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है. कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है. पत्थर होते हर आंगन में फ़ूट-कलह का नंगा नाच हो रहा है. आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है. बड़े-बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है. फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है. एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है. हमें ये सोचना -समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायंगे और ये समाज रहने लायक होगा.

आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने-समझने की बेहद सख्त जरूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूंढकर उनको दुरुस्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कवि/लेखकों/गायकों/नायक/नायिकाओं/शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ राजनीतिज्ञों को एक संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए. खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या है? और इस गिरावट से कैसे उभरा जा सकता है? युवा कवि सत्यवान %सौरभ% ने इस स्थिति को अपने शब्दों में कहते हुए सही लिखा है कि-

÷टूट रहे परिवार हैं, बदल रहे मनभाव ! प्रेम जताते ग़ैर से, अपनों से अलगाव !!
गलती है ये खून की, या संस्कारी भूल!
अपने काँटों से लगे, और पराये फूल!!

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। संयुक्त परिवार प्रणाली या एक विस्तारित परिवार भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही है, जब तक कि शहरीकरण और पश्चिमी प्रभाव के मिश्रण ने उस संस्था को झटका देना शुरू नहीं किया। परिवार एक बुनियादी और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है जिसकी व्यक्तिगत और साथ ही सामूहिक नैतिकता को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों का पोषण और संरक्षण करता है। यह कानून का पालन करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन देकर समाज को स्थिरता प्रदान करता है। यह व्यक्ति में सामूहिक चेतना के निर्माण में मदद करता है। परिवार प्रणाली एक एकल, शक्तिशाली किस्में है जो सदियों से है, और विविधता के साथ समृद्ध, सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है समाजीकरण में यह भावनात्मक संबंध का प्रमुख स्रोत है, समाजीकरण और नैतिकता को आकार देने के तरीके से सही और गलत की भावना उत्पन्न करता है। बच्चों को उनके माता-पिता, उनके साथियों और उनके समाज के ÷सामाजिक सम्मेलनों÷ के अनुसार नैतिक निर्णय लेने के रूप में देखा जाता है। यह व्यक्तिगत चरित्र को मजबूत करता है। यह आदत बनाने का पहला स्रोत है जैसे अनुशासन, सम्मान, आज्ञाकारिता आदि।

नैतिक मजबूती के साथ-साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से

निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है.

÷घर-घर में मनभेद है, बचा नहीं अब प्यार !
फूट-कलह ने खींच दी, हर आँगन दीवार !!
स्नेह और आशीष में, बैठ गई है रार !
अरमानों के बाग़ में, भरा जलन का खार !!÷

गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है. इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है।

वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है. परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। उच्च तलाक की दर निसंदेह सामाजिक रिश्तों को निगल रही है. विवाह के टूटने का प्रमुख कारण एकल रवैये, व्यवहार और समझौता किए गए मूल्यों में प्रौद्योगिकी काला धब्बा है। युवा पीढ़ी का असामाजिक व्यवहार परिवारों को तेजी से नष्ट कर रहा है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल, आदि, बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।

÷बड़े बात करते नहीं, छोटों को अधिकार !
चरण छोड़ घुटने छुए, कैसे ये संस्कार !!
कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार !
परिजन ही दुश्मन हुए, छुप-छुप करे प्रहार !! ÷

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है. एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से संबंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक संबंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद-पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक-आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है. परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है।

आज ज्यादातर लोग सार्थक जीवन का अभाव झेल रहें है. पारिवारिक प्रणाली के पतन का एक नुकसान ये है कि साझाकरण, देखभाल, सहानुभूति, सहयोग, ईमानदारी, सुनने, स्वागत करने, मान्यता, विचार, सहानुभूति और समझ के गुणों का कम होना है। हाल के दिनों में तनाव की सहनशीलता में कमी, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे बढ़ रहे हैं। परिवार प्रणाली बुजुर्ग सदस्यों से बात करने, बच्चों के साथ खेलने आदि से गहरी असुरक्षा की अभिव्यक्ति के साथ मानसिक रूप से व्यक्ति को राहत दे सकती है। परिवार प्रणाली में गिरावट अधिक व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के मामले पैदा कर सकती है।

भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में कार्यबल का महिलाकरण हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।

÷बच पाए परिवार तब, रहता है समभाव !
दुःख में सारे साथ हो, सुख में सबसे चाव !!
अगर करें कोई तीसरा, सौरभ जब भी वार !
साथ रहें परिवार के, छोड़े सब तकरार !!÷

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान-लिंग वाले जोड़ों (एलजीबीटी संबंध), सहवास या लिव-इन संबंधों, एकल-माता-पिता के घरों, अकेले रहने वाले या अपने बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये समाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है. कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है. पत्थर होते हर आंगन में फ़ूट-कलह का नंगा नाच हो रहा है. आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है. बड़े-बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है. फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है. एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है. हमें ये सोचना-समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायंगे और ये समाज रहने लायक होगा.

आबादी,मौत और महंगाई

भारत की आबादी फट पड़ रही है तो लोगों के जीवन पर भी बादल फट पड़ रहे हैं। महंगाई फट पड़ रही है। कल ही खबर थी कि भारत में बारिश, बाढ़ से दो सौ से ज्यादा मौत हुई। आज ही खबर है कि दही भी जीएसटी के कारण महंगा होने वाला है! मगर इस सबका किस पर असर हो रहा है? किसी पर नहीं? भारत वह देश है, जिसमें आजादी के 75 वर्ष बाद भी यह समझ नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं में भी लोगों को बचाया जा सकता है! मुंबई और बिहार हो, हर साल बारिश से जान-माल का नुकसान होता है। भारत की सरकारों, अफसरों और नागरिकों का मानना है कि कोई क्या कर सकता है? ईश्वर की लीला है। केदारनाथ, अमरनाथ में बादल फटा और लोग मरें तो वे स्वर्ग में गए। तूफान, चक्रवात, सुनामी, भीषण, गर्मी जैसी आपदाएं लाइलाज हैं इसलिए लोग मरते हैं तो मरते हैं, हम क्या कर सकते हैं!

यही मामला जीवन जीने की तमाम कठिनाइयों, महंगाई आदि का भी है। लोग सोचते ही नहीं हैं कि प्राकृतिक आपदाओं में भी जान बचाने के उपाय हो सकते हैं या कम से कम आवश्यक चीजों की महंगाई रोकी जा सकती है। एडवांस तैयारी रखनी चाहिए। दुनिया के तमाम विकसित देश जलवायु परिवर्तन की वास्तविकताओं को जानते हुए लोगों को बचाने की एडवांस तैयारी बना रहे हैं। हाल में दक्षिणी चीन में जबरदस्त तूफान के कारण बाढ़ आई। कई शहर मिट्टी की गाद से भर गए। वहां से ब्रह्मपुत्र के बढ़े बहाव व बारिश से असम, बांग्लादेश में भारी तबाही हुई मगर चीन में मौतों की खबरें नहीं हैं, जबकि असम, बांग्लादेश में जान-माल का भारी नुकसान है। तो चीन में कम नुकसान इसलिए है क्योंकि वह सन् 2012 से नेचुरल वाटर फ्लो को बनवाने के लिए 'वाटर डिटेक्टिव' के विशाल प्रोजेक्ट पर अमल कर चुका है, जिससे बाढ़ और सूखे दोनों की स्थितियों से कम से कम नुकसान हो। ऐसे काम की भारत की सरकारों, इंजीनियरों में कल्पना ही नहीं है। तभी मुंबई और बिहार में हर साल बाढ़ के बावजूद समाधान यहीं है कि लोग हर साल जान-माल गंवाए। जापान, फ्रांस, यूरोप गर्मी से भयावह झुलसते हुए हैं लेकिन जैसा मैंने अपने कॉलम में लिखा था कि जापान ने तुरंत बूढ़ी आबादी के लिए खास एसी सेंटर बनाए, जिससे वे मजे से जी सकें। जापान सुनामी का मारा देश है मगर सुमद्री किनारों पर ऐसी सीमेंट की दीवारें बना दी हैं कि न्यूनतम नुकसान। जापान, यूरोप, जलवायु परिवर्तन की रियलिटी को जान एडवांस प्रबंध कर रहे हैं लेकिन मैंने यह कहीं नहीं पढ़ा कि गुजरात में दस जुलाई तक छोटा उदयपुर, तापी, अमदाबाद व पंचमहल में सूखा था मगर 10 जुलाई से मानों बादल फटे हों और बाढ़ आई तो सरकार ने समझा कि यह जलवायु परिवर्तन का प्रमाण है और अब जागो।

कह सकते हैं 140 करोड़ लोगों की भीड़ में असम हो या गुजरात सभी और भारतीयों के लिए आपदाओं-विपदाओं की मौतों का अर्थ नहीं है, जबकि हिंदू बनाम मुस्लिम की मौतों का अर्थ है। उसमें चौबीसों घंटे मीडिया और लोग खोए रहेंगे। ऐसे में कल्पना करें कि सन् 2050 में भारत के लोग जलवायु परिवर्तनों से कैसे बेमौत मरते हुए होंगे और बावजूद इसके आपसी लड़ाई की कलह कितनी अधिक जानलेवा होगी? क्या मैं गलत हूं?

-हरिशंकर व्यास-

भारत को जबर्दस्त अमेरिकी छूट

जब भारतीय मूल के नागरिक विदेशों में राज-काज के हिस्सेदार होते हैं तो वे कैसा चमत्कार कर देते हैं। आजकल ऋषि सुनाक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की बात तो चल ही रही है लेकिन अमेरिका के प्रतिनिधि सदन (लोकसभा) के एक भारतीय सदस्य ने वह काम कर दिखाया है, जो असंभव-सा लगता था। रो खन्ना नामक सदस्य ने अमेरिका के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम को भारत पर लागू होने से रूकवा दिया। यह अधिनियम चीन, उत्तरी कोरिया, ईरान आदि देशों पर बड़ी कड़ाई के साथ लागू किया जा रहा है। इस प्रतिबंध को 'काट्सा' कहा जाता है। इसके मुताबिक जो भी राष्ट्र रूस से हथियार आदि खरीदता है, उससे अमेरिका किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करेगा। तुर्की पर भी काफी दबाव पड़ रहा है, क्योंकि वह रूसी प्रक्षेपास्त्र खरीदना चाहता है। जहां तक भारत का सवाल है, रूस तो भारत को सबसे बड़ा हथियार और सामरिक सामान का विक्रेता है। वह आज से नहीं, शीतयुद्ध के जमाने से है।

अमेरिका के कई विद्वान और नीति-निर्माता भारत को रूस का पिट्ठू कहते रहे हैं। आजकल भारत ने रूस के साथ एस-400 प्रक्षेपास्त्रों की खरीद का सौदा किया हुआ है और यूक्रेन संकट के बाद से रूस भारत को तेल भी बड़े पैमाने पर सस्ते दामों पर मुहय्या करवा रहा है। इसके बावजूद रो खन्ना द्वारा लाया गया प्रस्ताव अमेरिकी निम्न सदन ने प्रचंड बहुमत से पारित कर दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने दबी जुबान से इसका इशारा किया था, वरना अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह स्वविवेक के आधार पर किसी देश को इस प्रतिबंध से मुक्त कर सकता है। अमेरिका ने भारत के पक्ष में यह एतिहासिक कदम तो उठाया ही, इसके पहले यूक्रेन के सवाल पर उसकी तटस्थता का सम्मान भी किया। इसका मूल कारण यह है कि पश्चिम एशिया और सुदूर-पूर्व एशिया के दो चौगुटों में भारत और अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर साथ-साथ काम कर रहे हैं। दोनों देशों में सामरिक सहकार तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। 2008 में भारत-अमेरिकी सामरिक सौदा सिर्फ 50 करोड़ डालर का था। वह अब बढ़कर 2000 करोड़ डॉलर का हो गया है।इस समय रूस और चीन मिलकर ऐसी नीति चला रहे हैं, जैसे वे किसी गठबंधन के सदस्य हों। ऐसे में अमेरिका के लिए भारत को साथ रखना बेहद जरुरी है। भारत और चीन के रिश्तों में इधर जो खटास पैदा हुई है, वह अमेरिका के लिए स्वादिष्ट चटनी की तरह है। दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों में मैत्री-भाव बढ़े, इससे अच्छा क्या हो सकता है।

-वेद प्रताप वैदिक-

महंगाई की मार

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

महंगाई की मार से
जीना हुआ है बेहाल
आदमी है त्रस्त,
निकला बाल का खाल।
जहां देखो वहीं
महंगाई का हुआ बवाल
महंगाई है बेकाबू
जीवन हुआ बुरा हाल।
दुखी है आम आदमी
जीवन कैसे गुजारे
जीवन हुआ दूभर
बिताए किसके सहारे।
दो जून रोटी के लिए
आम लोग हैं हारे
आम लोगों से दूर गया
सामान यह सारे।
जिधर देखो उधर
महंगाई ही है महंगाई
महंगाई ने घर के बजट में
आग लगाई।
आम आदमी का
जीवन हुआ दुखदाई
सुख चैन सब छीन गई है
छा गई तंगाई।

कैसी है तपस्या

गरिमा गौतम
कोटा राजस्थान

कैसी है ये तपस्या
कैसी है साधना
लीन है मन मेरा
दिल में बसा तेरा नाम है
छवि तेरी आँखों में बसी
मन में तेरी तस्वीर रमी
यूँ तो कण कण में समाये हो
पर नजर नही आये हो
दर्शन दो मेरे घनश्याम
बस इतनी सी है आस
तोड़ सान्सारिक बंधनो को
लीन मुझ में हो जाउँ श्याम
करुणा भरी पुकार यही
चरण शरण दो घनश्याम

जब चले जाएंगे हम लौटकर सावन की तरह

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर बिहार

की चाहत की जमी पर बस,
दिन दो चार बाकी है।
चले जब तक साथ में हम ,
माना हम सब ही साथी हैं।।
यादों का चमन है जो,
महकता है एहसासों से।
मुहब्बत की जमीन पर लिख ,
मोहब्बत की ही बातों से।
ये सावन आज जो आया ,
सुहानी रुत ये लाया है।
चहक उठती धरा है जो,
दीवाना सावन आया है।
मिलन की रुत है आई तो ,
मिलन का भी बहाना है।
मुझे तो साथ में तेरे ,
उमर अब तो बिताना है।
जो खोएगा ये सावन तो,
नहीं ये फिर से आना है।
वक्त है ये अजब सा यार ,
इसको ही निभाना है।
ज़रा फुर्सत निकालो तुम,
तुम्हारी राह तकते हैं।
चले जाएंगे ना हम भी तो ,
कहीं इस सावन की तरह।।

एक स्त्री

सोनल सिंह सोनू
दुर्ग छत्तीसगढ़

घर सजाने की धुन में,
अपना श्रृंगार भूल जाती है।
अपनों की इच्छा पूर्ति में,
अपनी पसंद भूल जाती है।
बच्चों की देखभाल में,
अपना दर्द भूल जाती है।
न हो तकलीफ अपनों को, सोचकर
सेहत से समझौता कर जाती है।
बिना वेतन,बिना अवकाश,
हर जिम्मेदारी निभाती है।
पति से ले मदद तो,
सास ताने सुनाती है।
साकार करने स्वप्न अपनों के,
स्वयं के सपने तोड़ जाती है।
झूठी मुस्कान मुस्काती है,
हर दर्द छुपा जाती है।
घर संसार में खो जाती है,
चाहकर भी स्वयं को
ढूँढ न पाती है।
इतने पर भी कोई कद्र नहीं उनकी,
क्यूँकि ये बातें,उनके कर्तव्यों में
गिनी जाती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बिजली करंट से एक भालू व बकरा की मौत

ड्यूटी जा रहे शिक्षक की सजगता से टला बड़ा हादसा,मामला वन परिक्षेत्र उदयपुर का

- संवाददाता-

अम्बिकापुर/उदयपुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। वन परिक्षेत्र उदयपुर अंतर्गत आने वाले केदमा सर्किल अंतर्गत ग्राम सितकालो रेण नदी पुल के समीप बिजली करंट से एक 10 वर्षीय भालू एक बकरा की मौत हो गई है । शनिवार की सुबह 7:30 बजे के करीब सितकालो रेण नदी पुल के बगल में स्थित 11 केवीए खंबे का इंसुलेटर भ्रष्ट हो गया जिससे पोल के अर्थ वायर में करंट आ गया तथा करंट आसपास के पूरे जमीन में फैल गया इस दौरान जंगल में विचरण कर रहा एक बकरा उसकी चपेट में आ गया और तेजी से जलने लगा वहीं पर एक भालू भी पहुंचा जो कि जमीन में फैले करंट की चपेट में आने से मौके पर ही भालू व बकरा दोनों ने दम तोड़ दिया। सुबह सुबह स्कूल जा रहे एक शिक्षक ने घटना की सूचना स्थानीय एवं प्रशासन के लोगों को दी तथा वन अमला को भी इसकी सूचना दी गई। विद्युत सप्लाई को कुन्नी सब स्टेशन से बंद कराया गया । तत्पश्चात वन अमला उप वन क्षेत्रपाल विनय सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंचा। भालू व बकरा को पंचनामा पश्चात उदयपुर नर्सरी लाया गया। एसडीओ बिजेंद्र सिंह एवं रेंजर सपना मुखर्जी की मौजूदगी में भालू के शव का पशु चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम किया गया तथा विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। बिजली करंट से अधजले बकरा को उसके मालिक कैलासो मझवार की सुपुर्दगी में दे दिया गया। यहां यह भी उल्लेख करना जरूरी है कि एक शिक्षक की सजगता से शनिवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया क्योंकि सुबह सुबह ग्रामीण अपने मवेशियों को लेकर जंगल की ओर चराने जाते हैं शिक्षक द्वारा घटनास्थल पर रुक कर लोगों को सूचना देकर तथा आने जाने वालों को उधर जाने से मना करके नेक कार्य किया गया। वरना 11 केवीए तार के चपेट में आकर जानवरों के साथ साथ मनुष्य भी हादसे के शिकार हो सकते थे। उक्त कार्यवाही के दौरान वनरक्षक बूधसाय राजवाड़े, प्रवीण शर्मा, इग्नेस बेक, सहिस कपूर सक्रिय रहे।

कांवरिया जत्था बैजनाथ धाम के लिए रवाना

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। बोल बम के नारों के साथ कांवरिया सेवा संघ अंबिकापुर से बैजनाथ धाम के लिए बस से रवाना हुए। शुक्रवार की रात को 50 लोगों का जत्था मां महामाया मंदिर से बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। कांवरिया जत्था ने शनिवार को रास्ते में पुराना विश्वनाथ मंदिर,संकट मोचन,दुर्गाकुंड,नया विश्वनाथ मंदिर का भी दर्शन किया। वहीं पूरी जत्था सोमवार को बैजनाथ धाम पहुंच कर जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक के बाद वापस लौटेंगे।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, बेचने के लिए कर रहा था ग्राहक की तलाश

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। सीतापुर थाना पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी की बाइक बेचने के फिराक ने बाइक से घूम रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के द्वारा सभी थाना प्रभारियों को बाइक चोरी के मामले में सजग एवं सतर्क रहकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, एसडीओपी सीतापुर चंद्रकांत गवर्ना के नेतृत्व मे शनिवार को थाना प्रभारी सीतापुर उप निरीक्षक रुपेश नारंग द्वारा क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान संदेहियो पर नजर रखने हेतु टीम पतासाजी में महेशपुर की ओर रवाना हुए थे कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति महेशपुर चौक के पास चोरी की मोटरसायकल होण्डा साईन को बिकी की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है, जो हमराह स्टाप एवं गवाहो के साथ महेशपुर चौक के पास एक व्यक्ति दिखा जो अपने कब्जे में मोटरसायकल रखा था जिससे नाम पता पूछने पर पंकज कुमार प्रजापति बताया तथा उसके कब्जे में रखा मोटरसायकल के संबंध में पूछताछ करने पर टालमटोल करने लगा जिसे उक्त मोटरसायकल के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया। उक्त मोटरसायकल चोरी का होने के संदेह पर थाना लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया जो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड मे भेजा गया। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक रुपेश नारंग, प्रधान आरक्षक नंद कुमार प्रजापति आरक्षक आलोक गुप्ता, पंकज देवांगन, अभिषेक राठौर शामिल रहे।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। भफैली मुख्य मार्ग पर अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार अज्ञात युवक की मौत हो गई थी। जिसकी पहचान हो गई है। मृतक राजपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह शुक्रवार को बाइक से ससुराल जाने निकला था। जानकारी के अनुसार कईला पैकरा पिता सिया पैकरा उम्र 30 वर्ष मंदनेश्वरपुर थाना राजपुर का रहेन वाला था। शुक्रवार की दोपहर 3 बजे बाइक से ससुराल जाने ग्राम भुकरा के लिए निकला था। भफैली मुख्य मार्ग पर अंबिकापुर से राजपुर की ओर जा रहे अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इससे बाइक सवार कईला पैकरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया था। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अंबिकापुर में संचालित शिशु मंगलम हॉस्पिटल बना नवजात शिशुभक्षी हॉस्पिटलःअभय नारायण पांडे

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। पिछले कुछ दिनों पूर्व अभय नारायण पांडे के पोते की मौत शिशु मंगलम हॉस्पिटल अंबिकापुर में हो गई थी, इसकी शिकायत श्री पांडे ने कलेक्टर से लेकर स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्यमंत्री एवं पुलिस थाने तक में की है।

शिशु मंगलम के ब्यवस्थापक डीडी तिवारी कथित डॉक्टर अमन के द्वारा संचालित हो रहा है ये हॉस्पिटल! जहां मासूमों के मौत का चल रहा है गंदा धंधा! डी डी तिवारी को मै डेथ डेवलोपर, मानता हूं। जिसने ले लिया मेरे पोते की जान! मामला ऐसा हुआ कि डॉक्टर किरण और राजेश

भजगवली ने, अपने भजगवली हॉस्पिटल में, दिनांक 5 जुलाई 2022 को ऑपरेशन से मेरे स्वस्थ पोते का जन्म कराया! फिर कमीशन के रूप में, धन कमाने की चाहत में,नवजात शिशु को शिशु मंगलम हॉस्पिटल में रेफर कर दिया ! जहां ब्यवस्थापक डी डी तिवारी और कथित डॉक्टर अमन ने नवजात को बेंटीलेटर पर रखकर, इलाज के नाम पर सिर्फ धन वसूली करते हुए दिनांक 10 जुलाई 2022 को मासूम बच्चे का रात्री लगभग 7 से 8 बजे तक जान ले लिया! दरिंदगी और बेशर्मी की हद तो तब हो गई? जब मृत मासूम को रात्री 11बजे के बाद भी बेंटीलेटर पर रखकर उसे जीवित होना बताकर ईलाज करना बता दिया ??

श्री पाण्डेय ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि इन दोनों हॉस्पिटल यानी मेडिकल कॉलेज में सेवा दे रहे किरण भजगावली एवं राजेश भजगावाली के भजगावली नर्सिंग होम एवं शिशु मंगलम हॉस्पिटल के द्वारा मेरे पोते को मिलजुल कर मार डाला गया है उसकी निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही किया जावे जिससे ऐसे शिशुभक्षी अस्पतालों से नवजात शिशुओं की रक्षा हो सके।

कलेक्टर ने जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद कुसमी ब्लाक के 44 आंगनबाड़ी पदों पर की गई भर्ती को किया निरस्त

चयन समिति के सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी

- उपेश सिन्हा-

कुसमी 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कार्यालय महिला बाल विकास विभाग ,परियोजना कुसमी के तहत हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ,मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सहायिका के कुल 44 पदों पर की गई भर्ती प्रक्रिया को नियुक्ति निर्देश के विभिन्न कंडिकाओं में उल्लेखित विहित प्रावधान एवं मापदंडों का विधि सम्मत पालन नही करने पर पूर्ण रूप से निरस्त करते हुए चयन समिति के सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है ,गौरतलब है कि कार्यालय महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त कर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई थी, कलेक्टर विजय दयाराम के. पदभार ग्रहण करने के बाद से ही भर्ती प्रक्रिया के संबंध में असंतुष्ट आवेदकों द्वारा भर्ती प्रक्रिया के जांच हेतु शिकायत की गई थी ,इसके अतिरिक्त भर्ती प्रक्रिया के संबंध में कलेक्टर जनदर्शन में भी आवेदन प्राप्त हुए थे ,जिस पर गहरी नाराजगी जताते हुए कलेक्टर विजय दयाराम ने अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन कर परियोजना कुसमी के तहत आंगनबाडी कार्यकर्ता के 19,मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 05 तथा आंगनबाड़ी सहायिका के 20 पदों इस प्रकार कुल 44 पर हुई भर्ती प्रक्रिया के सूक्ष्मता से जांच कर प्रतिवेदन प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया था , जिला स्तरीय समिति से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार भर्ती प्रक्रिया दोषपूर्ण पाई गई है,जिसपर कलेक्टर ने कड़ी करवाई करते हुए परियोजना कुसमी अंतर्गत आंगनबाड़ी के 44 पदों पर हुई भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करते हुए चयन समिति के सभी सदस्यों विकासखंड शिक्षा अधिकारी कुसमी,खंड चिकित्सा अधिकारी कुसमी,मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुसमी ,परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास कुसमी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है साथ ही जवाब सन्तोष जनक नही दिये जाने पर कड़ी करवाई करने हेतु निर्देश जारी किए हैं,

आवासीय विद्यालय घंघरी में टीबी एवं कोविड के संबंध में छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। टीबी संक्रमण को रोकने हेतु सरगुजा जिले के सभी विकास खण्ड के सभी गांवों में पीरामल स्वास्थ्य सरगुजा के द्वारा सघन टीबी मरीज खोज अभियान आश्वासन चलाया जा रहा है। पीरामल स्वास्थ्य राज्य समन्वयक फैजल रजा खान, रीजनल समन्वयक दिग्विजय सिंह के मार्गदर्शन एवं पीरामल स्वास्थ्य सरगुजा के जिला सुपरवाइजर मंगल पाण्डेय के नेतृत्व में सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकास खण्ड के पीरामल स्वास्थ्य से कम्युनिटी मोबिलाइजर सरस्वती विश्वकर्मा के द्वारा कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवपुर बतौली एवम पेटला सीतापुर के छात्र छात्राओं को टीबीऔर कोरोना बीमारी के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई साथ ही बच्चों को इस बीमारी के

लक्षण बताए गए। एकलव्य आदर्श स्कूल के ज्योति श्रीवास्तव (प्राचार्या) के द्वारा पिरामल स्वास्थ्य की टीम को धन्यवाद देते हुए बताया गया कि इस शिविर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय की जा रही है। भावना वर्मा सिक्षिका पियाली विश्वास, सोनल मिंज स्टाफ नर्स के साथ बैठक कर आश्वासन कैम्पेनिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ ही इन सभी के सहयोग एवं उपस्थिति में कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र छात्राओं, एवं सभी स्टॉफ को टीबी बिमारी तथा टीबी मरीज खोज अभियान के विषय में जागरूक किया गया, पीरामल स्वास्थ्य सरगुजा अंबिकापुर कविता मिंज और सरस्वती विश्वकर्मा के द्वारा टीबी बिमारी के लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग किया जा रहा है। तथा सम्भावित टीबी मरीजों की सूची बनाई जा रही है। सम्भावित मरीजों का स्पूटम इक्ट्ठा कर जांच हेतु स्वास्थ्य विभाग के लैब में पहुंचाया जा रहा है। जांच में पाज़िटिव पाये गए सम्भावित मरीजों का स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निःशुल्क उपचार किया जा रहा है तथा शासन की योजना के अनुसार सुविधाएं प्रदाय की जा रही हैं। साथ ही छात्र छात्राओं का कफ साउंड रिकॉर्डिंग किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चंचला सिदार, निभा, चित्रा, माया,संगीता मैडम जी का सहयोग रहा।

मानव जाति की भलाई एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिये स्कूल परिसर में रोपे गए पौधे

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। मानव धर्म के प्रणेता एवं प्रख्यात समाजसेवी सतपालजी महाराज की प्रेरणा से मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा पूरे भारत वर्ष में 10 से 24 जुलाई 2022 तक समस्त मानव जाति की भलाई एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिये वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम अंबिकापुर, जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ द्वारा पूज्य महात्मा अपर्णाबाईजी एवं मान्यता बाईजी के मार्गदर्शन में हाई स्कुल मणिपुर में प्राचार्य आईपी गुप्ता एवं स्टॉफ की उपस्थिति में 40 छाया, फालदार एवं औषधिय पौधा रोपित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कुल स्टाफ कामेश्वर सिंह, जयनारायण राजवाड़े, दिपेन्द्र सिंह राणा एवं सेवादल के उदयचंद, भरत पोरते, सुनीता, कौलेश्वरी, सोनमति तथा यूथ विंग से मनीष पासवान, मोनू पोरते, किरण यादव, हेमंत यादव, रेनु दास एवं समिति के उपस्थित सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा।

दो बाइकों में भिड़ंत में घायल एक युवक की मौत

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। दो बाइकों की भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हनुत किण्डो पिता ननका राम उम्र 30 वर्ष सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजखेता का रहने वाला था। वह शुक्रवार को मजदूरी करने ग्राम जोबाटिकरा गया था। वहां काम करने के बाद सेंटिंग प्लेट पहुंचाने इश्वर किण्डो के साथ बाइक से ग्राम सूर जा रहा था। रास्ते में सामने से आ रहे बाइक सवार कंसनाथ से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में हनुत व कंस दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को सीतापुर अस्पताल से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया था। यहां इलाज के दौरान हनुत किण्डो की मौत हो गई।

दो वर्ष से नाबालिग लड़की का शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। ग्राम बासेन निवासी प्रार्थी के द्वारा थाना उदयपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी नाबालिग बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। एसपी भावना गुप्ता द्वारा टीम गठित कर प्रकरण में आरोपी की पता तलाश करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम मे थाना प्रभारी उदयपुर धीरेन्द्र नाथ दुबे एवं पुलिस टीम के द्वारा आरोपी के पता तलाश एवं गिरफ़्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा था, दौरान जाँच विवेचना पता चला की उक्त बालिका को गांव का ही रवि एक्का बहला-फुसलाकर ले गया है । तत्काल आरोपी के घर की घेराबंदी की गई, और आरोपी के घर से ही बालिका को बरामद किया गया, महिला अधिकारी के द्वारा पूछताछ करने पर नाबालिग बालिका द्वारा बताया गया कि उक्त आरोपी के द्वारा विगत 2 वर्षों से बहला-फुसलाकर शारीरिक शोषण किया जा रहा था, आरोपी के द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया गया, जो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी उप निरीक्षक धीरेंद्र नाथ दुबे, सहायक उप निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह ,महिला आरक्षक सुनीति रजवाड़े, आरक्षक देव नारायण सिंह, अजय शर्मा नगर सैनिक अपीकेश्वर दास शामिल रहे।

चिरमिरी क्षेत्र के सुलभ शौचालय के उत्तम रखरखाव के नाम पर

40 सफाईकर्मियों की फर्जी नियुक्ति कर बड़ी राशि की जा रही है निकासी

» सुलभ इंटरनेशनल को लगभग प्रतिमाह 3 लाख 3 हजार दे रहा है चिरमिरी नगर निगम।
» गुपचुप तरीके से कराए गए टेंडर पर निगम के अधिकारियों के कार्यप्रणाली पर लग रहे हैं सवालिया निशान?
» कलेक्टर कोरिया को संज्ञान में लेकर कार्यवाही किए जाने की हो रही है मांग।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)। पूरे चिरमिरी क्षेत्र में आम जनमानस की निस्तार सुविधा के लिए एसईसीएल और नगर निगम के द्वारा लगभग 20 सुलभ शौचालय का निर्माण लगभग दो दशक पूर्व कराया था ताकि वार्ड वासियों को निस्तार सुविधा का लाभ मिल सके,लेकिन निगम के भ्रष्ट अधिकारियों ने उससे भी अपना चारागाह बना लिया है, सुलभ शौचालयों में सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधा और स्वच्छता के नाम पर नगर निगम चिरमिरी में एक बड़ा भ्रष्टाचार किया जा रहा है लगभग प्रतिमाह 3 लाख 3 हजार कि निकासी कर क्षेत्र की जनता को दिए जाने वाली सुविधा के नाम पर लूट खसोट मचाई जा रही है, इस खेल की शुरुआत 2018 से प्रारंभ है और आज दिनांक तक प्रतिमाह 3 लाख 3 हजार की निकासी निरंतर जारी है, सुलभ शौचालय में बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी लेने वाले सुलभ इंटरनेशनल को यह राशि प्रतिमाह दी जा रही है कंपनी और निगम के अधिकारियों से मिलीभगत कर जनता को दी जाने वाली सुविधा के नाम पर यह राशि डकारी जा रही है, चुनाव के पूर्व जनता की सेवा करने की कसमें खाने वाले कथित सेवक भी इस भ्रष्टाचार पर चुप हैं इस पूरे मामले को कलेक्टर कोरिया को संज्ञान में लेकर भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

विदित हो कि चिरमिरी नगर निगम में सुलभ शौचालय के लगभग 20 केंद्र स्थापित हैं पूरे चिरमिरी क्षेत्र के क्रमश गोदरी पारा के गुफा दफाई, हल्दी बाड़ी में पंखा दफाई के पास तीन नंबर खदान एवं पुराना स्टेट बैंक के पास, डोमनहिल में बाजार पारा, 20 नंबर दफाई, कोरिया कालरी में संतोषी मंदिर के पास, बेस्ट चिरमिरी में कैंप दफाई में शुक्ला जी के घर के पीछे, जगन्नाथ मंदिर में, वार्ड नंबर 3 में पुरुषोत्तम सोनकर के घर के पास, नीलम सरोवर पार्क अटल आवास और छोटी बाजार के मिलाकर लगभग 20 सुलभ शौचालय में से लगभग 15 हजार प्रति सुलभ शौचालय मैं प्रदान की जाने वाली सुविधा के नाम पर प्रतिमाह नगर निगम चिरमिरी के द्वारा सुलभ इंटरनेशनल को दी जा रही है जिसके एवज में ठेकेदार सुलभ इंटरनेशनल कंपनी उन सुलभ शौचालय में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करेगी वे इस प्रकार हैं प्रत्येक सुलभ शौचालय में दो सफाई कर्मी जो 12 12 घंटे कार्य करेंगे, ड्रेस से लैस रहेंगे उनकी नियुक्ति होना बताया जा रहा है साथ में अन्य सुविधा के तौर पर बदबू रहित सुलभ कार्यालय के लिए परफ्यूम का दिन भर छिड़काव किया जानी है,सुलभ में लगे सभी बेसिनो में हैंड वास अनिवार्य रूप से रखा जाना है, एक बड़ा ऐनक, के साथ-साथ कंघिया रखी जानी अनिवार्य है, हार्पिक और फिनाइल से हर 1 घंटे पूरे सुलभ शौचालय की धुलाई करनी है एवं सभी टॉयलेट में बाल्टी और मगह रखा जाना अनिवार्य है हर एक सुलभ शौचालय में निगम के द्वारा पानी बिजली उपलब्ध कराना है जिसके लिए प्रत्येक सुलभ शौचालय के लिए नगर निगम से 15 हजार प्रति सुलभ हल्दीबाड़ी स्थित स्टेट बैंक के सुलभ शौचालय में प्रतिमा 18 हजार की निकासी कर उक्त कंपनी को दिया जा रहा है यदि हम इस पूरे स्कैंडल की बारीकी से अध्ययन करें तो मौके पर यह पाया जाता है कि पिछले 5 वर्षों से उन सुलभ शौचालयों में किसी भी तरह के कोई कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की गई है, निगम के ही सफाई कर्मियों के द्वारा इन सभी सुलभ शौचालयों की हफ्ते में एकाद बार सफाई की जाती है उसका अंदाजा उन सुलभ शौचालयों के निरीक्षण के बाद किया जा सकता है लगभग सुलभ शौचालय की हालत बेदम जर्जर है किसी के दरवाजे टूटे हुए हैं किसी की टंकी फटी हुई है कहीं पानी नहीं मिल पा रहा है तो कहीं पर गंदगी से पूरे सीट भरे हुए हैं, बदबू एवं गंदगी के कारण वार्ड वासी उन सुलभ शौचालयों में जाना भी पसंद नहीं करते कई बार वार्ड वासियों ने शौचालयों के गंदगी और बदबू की शिकायत नगर निगम चिरमिरी के जिम्मेदार अधिकारियों से की तो उनके द्वारा निगम के कर्मचारियों को भेजकर थोड़ी बहुत साफ सफाई करा अपनी जिम्मेदारी कि इतिश्री कर ली है. यदि हम सफाई कर्मी की नियुक्ति की बात करें तो 20 सुलभ शौचालय में लगभग 40 लोगों को रोजगार मिलना चाहिए जिसका पैसा शासन ठेकेदार को दे रही है किंतु धरातल पर किसी भी कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की गई है और नियुक्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा कर सफाई कर्मियों के हक को भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदार के द्वारा डकार आ जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त कंपनी को टेंडर सभी नियमों को शिथिल कर के दिया गया है 1 साल की अवधि वाले टेंडर निकाले गए थे उक्त कंपनी द्वारा 1 साल तक लगातार काम किया गया उस कंपनी की निर्धारित समयअवधि खत्म हो चुकी है उसके बाद अब लगभग 6 माह और गुजर चुके हैं उसी कंपनी को लगातार भुगतान किया जा रहा है, नगर निगम चिरमिरी ने अभी तक नया टेंडर जारी नहीं किया है ताकि उनके द्वारा किया जा रहा काला कारनामा आम जनमानस तक ना पहुंचे और एक सही रूटीन में चल रहे काम में कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो, लगातार हो रही काली कमाई का पर्दाफाश ना हो सके, नगर निगम चिरमिरी में 40 वार्ड हैं सब वार्डों में पार्षद मौजूद है इनके अलावा कई मनोनीत पार्षद भी क्षेत्र में स्क्रीय देखे जा सकते हैं लेकिन नई सरकार गठन होने के बाद आज तक किसी ने भी इस भ्रष्टाचार पर आवाज नहीं उठाई इन सब सुलभ शौचालयों के रखरखाव की जिम्मेदारी इन पार्षदों की भी है 2018 से हो रहे भ्रष्टाचार पर किसी ने इसका विरोध नहीं किया, यही कारण है कि निगम के जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों ने जनता को शासन से मिलने वाली सुविधा को अपनी काली कमाई का अड्डा बना लिया है बीते 5 सालों में अभी तक कई लाख रुपए की फर्जी निकासी की जा चुकी है और बेचारी जनता आज भी सुलभ शौचालय में मिलने वाली सुविधा से वंचित है और अपने आप को ठगा महसूस कर रही है।

वर्षो पुराना जर्जर भवन में संचालित हो रहा है हाई स्कूल केंद्र

-ओमकार पाण्डेय-
सूरजपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत केतका मे संचालित हाईस्कूल भवन का हालत अत्यंत जर्जर हो चुका है , जिससे स्कूली बचे समेत शिक्षक डरे सहम अपनी जान जोखिम मे डालकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर है।

मिली जानकारी अनुसार सूरजपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत केतका में संचालित हाई स्कूल भवन काफी पुराना है जिस कारण भवन जीर्ण शीर्ण हो चुका है स्कूल संचालन की कोई अन्य व्यवस्था नहीं होने के कारण शिक्षक जीर्ण स्कूल में ही क्लास लगाने को मजबूर है ,वहीं बरसात के दिनों में छत का पानी सीपेज होकर सीधे क्लास रूम मे भर जाता है जिससे बदबू समेत मच्छरो कि तादाद भी भारी मात्रा में बढ़ जाता है।

स्कूल प्रबन्धन से मिलि जानकारी अनुसार अपने उच्च कार्यालय को प्रत्येक साल पत्र के माध्यम से जीर्ण होने कि सूचना देते आ रहे है। लेकिन उच्च अधिकारीयो का ध्यान स्कूल भवन को सुधार कराने कि ओर नहीं जा रहा है या फिर कोई बड़ी अनहोनी होने का इंतजार में है। भवन पुरानी होने के कारण बहुत ज्यादा जर्जर चुका है ,जिसका समय रहते विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो किसी दिन कि तेज बारिश से अमानवीय घटना भी घट सकती है ।

जबकि क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण संस्थान होने के कारण यहां पर दूर दराज से बचो ने अपना नाम दाखिल कराया है और स्कूल अबतक कुल बच्चो कि संख्या 350है जबकि अभितक एडमिशन चल ही रहा है । लेकीन बचे भवन कि स्थिति देखकर सबकी रूह कांप उठी है ।वहीं स्कूल प्राचार्य जे आर शांडिल्य ने जीर्ण क्लास में पढ़ने वाले बचे व शिक्षकों के लिए हाई अलर्ट जारी कर रखा है और चेतावनी दिया है कि किसी प्रकार की संदेह हो तो तत्काल क्लास से बाहर निकलना ,आखिर येसा कब तक चलता रहेगा जान बचाने का खेल बच्चो का पढ़ाई करने से ज्यादा ध्यान अपनी जान बचाने लगा होता है क्योंकि खतरा भी इतना ज्यादा है कि पलक झपकते ही कुछ भी हो सकता है ।

इस संबध मे स्कूल प्राचार्य जेआर शांडिल्य ने बताया कि मैं इस समस्या का लिखित सूचना जिला शिक्षा अधिकारी को से चुका हूं साथ ही बच्चो के अभिभावक सहित जनप्रतिनिधि भी इस समस्या से रूबरू है भवन काफी पुराना होने व एक्सपायर होने के कारण हालात जर्जर मे तब्दील हो गया है अधिकारियो कि अनुमति बिना हम कुछ भी नहीं कर सकते लगातार प्रयास सुधार कराने के लिए कर रहे है साथ ही स्कूली बच्चे व शिक्षकों को अलर्ट कर दिया हूं सतर्क रहने के लिए ।इस संबध मे केतका सरपंच बाबूलाल सिंह ने बताया कि स्कूल भवन वर्षों से जर्जर स्थिति में है जिससे बचे अपनी जान जोखिम मे डालकर अपने भविस्य का निर्माण कर रहे है पंचायत स्तर से भी बहुत कोशिश जारी है मरम्मत के लिए जनप्रतिनिधियों से लगातार मांग कर रहे है लेकिन अभी तक किसी ने मरम्मत की स्वीकृति प्रदान नहीं किए है ,वहीं अभिभावक अधिकारियो कि उदासीनता से परेशान होकर जीर्ण स्कूल भवन में जल्द ताला बंद कर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय ले चुके हैं।

बिहारपुर चाँदनी की पुलिसिंग बेलगाम

-ओमकार पाण्डेय-
सूरजपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . जिले के दूरस्थ क्षेत्र बिहारपुर चाँदनी की पुलिसिंग बेलगाम हो गई है यहाँ अपराधियो के होशले बुलंद है और उनको सह देने में पुलिस के अधिकारी कर्मचारी भी पीछे नही है. चाँदनी थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय छात्रा का अपहरण कर बलात्कार हुआ जिसका अपराध भी दर्ज हुआ. आरोपी पर उचित कार्यवाही नही होने से फिर से आरोपी ने छात्रा का अपहरण कर लिया है पीड़ित माता पिता थाना सहित पुलिस अधीक्षक का चक्कर काटने को मजबूर है. पुलिस अधिकारियों को दिए शिकायत में चाँदनी क्षेत्र की नाबालिक छात्रा 13 जून को स्कूल गई थी उसी गांव का रहने वाला आरोपी सियाराम साहू ने अपहरण कर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया. परिजनों को जानकारी होने पर चाँदनी थाने में धारा 363,366,376 पास्को एक्ट के तहत दर्ज हुआ. पुलिस ने विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपी को कुछ देर थाने में बैठाने के बाद छोड़ दिया गया. जिसके फलस्वरूप इस घटना के बाद आरोपी नाबालिक छात्रा को परेशान करते रहा, परिजनों को खुलेआम धमकी गाली गलौज कर 18 जुलाई को नाबालिक छात्रा का घर से अपहरण कर लिया. जिससे हलाकान परिजनों ने स्थानीय पुलिस से मदद मांगी,नही मिलने से परिजन पुलिस अधीक्षक सहित अजजा थाने में पूरे मामले की शिकायत न्याय की फरियाद की. शिकायत में उल्लेख है कि पुलिस थाना चांदनी के संरक्षण में उसकी पुत्री के साथ शारारिक शोषण किया जा रहा अगर उसकी पुत्री के जीवन संबंधी किसी प्रकार की घटना कारित होती है तो उसका जिम्मेदार आरोपी और चाँदनी थाना प्रभारी को बताया है.

दिल्ली पब्लिक स्कूल बालको के छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-
कोरबा, 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। बालको प्रबंधन ने शिक्षा के उन्नयन को सदैव ही सर्वोपरि रखा है। बालकोनगर ने साढ़े पांच दशकों में, शिक्षा के क्षेत्र में भरपूर प्रगति की है। बालको डीपीएस की स्थापना 2012 में हुई जिसका उद्देश्य बालको नगर के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। इसके साथ बालको टाउनशिप में 15 स्कूल हैं, जिनके संचालन में बालको प्रबंधन मदद करता है। बालको के सहयोग से संचालित दिल्ली पब्लिक स्कूल, बालको नगर के छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किए। 12वीं में कॉमर्स स्ट्रीम से अनादि अग्रवाल ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर और 10वीं की सृजनी रे ने 99 प्रतिशत अंक के साथ जिले में टॉप किया। बारहवीं कक्षा के परिणाम में साइंस स्ट्रीम की श्रद्धा सिंह ने 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। 12वीं के 11 विद्यार्थियों को 90 फीसदी से अधिक अंक मिले तथा 94 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। वहीं दसवीं कक्षा के परिणाम में मो. शम्स ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा अक्षांश नामदेव 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।10वीं के 38 विद्यार्थियों को 90 फीसदी से अधिक अंक मिले तथा लगभग सभी विद्यार्थियों प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। बालकों नगर क्षेत्र में संचालित स्कूलों से शिक्षित विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से सफलताएं अर्जित कर रहे हैं। बालको को अपनी युवा प्रतिभाओं पर गर्व है, जो सभी बाधाओं के बावजूद अपने सपनों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने समस्त छात्र-छात्राओं को बेहतरीन परीक्षा परिणामों की हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। श्री पति ने कहा कि बालको ने अपने स्थापना काल से ही शैक्षणिक सुविधाओं के विकास पर भरपूर निवेश किया है। बालको के साढ़े पांच दशकों की यात्रा सिर्फ एक उद्योग के विस्तार की यात्रा नहीं है बल्कि इसकी प्रगति ने कोरबा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूती दी है। श्री पति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम दे सकती है। बालको के योगदान से बालकोनगर एवं कोरबा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। डीपीएस बालको के प्रिंसिपल कैलाश पवार ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों का उत्कृष्ट परिणाम महत्वपूर्ण है क्योंकि वे बीते दो वर्षों तक कोरोना के चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया तथा स्कूल भी नियमित नहीं आ सके। बारहवीं के छात्रों ने परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में दिया था। श्री पवार ने कहा कि तमाम प्रतिकूल स्थिति और महामारी के कठिन समय के बावजूद छात्र आगे बढ़े और अपने परिणामों से खुद के उड़ान को और ऊँचा किया जो बहुत ही संतोषजनक है।वर्ष 2016 में शुरू 'परियोजना कनेक्ट' का उद्देश्य स्थानीय विद्यार्थियों में विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा (सेमा) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की जरूरतों को पूरा करना है। परियोजना मुख्य रूप से बालको कर्मचारियों तथा स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से छात्रों के ग्रेड में सुधार, शिक्षकों की क्षमता निर्माण और कैरियर परामर्श के लिए एक सक्षम वातावरण बनाकर सरकारी स्कूलों में सीखने के माहौल में सुधार लाने पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2022 में एसईएमए विषयों पर 9वीं, 10वीं कक्षा के लिए नियमित और उपचारात्मक कक्षाओं से लगभग 1447 छात्र हुए लाभान्वित ।

कर्मचारी फेडरेशन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। संयोजक छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने जिला प्रशासन से संबंधित कार्यों के सुचारू संचालन के उद्देश्य से सूरजपुर जिले में पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके तहत अनिल कुमार मिश्रा को संयोजक तथा सचिन त्रिपाठी व नसीम खान को उप संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है।

जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि स्कूली विद्यार्थियों की सुनी समस्याएं

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी ने ग्राम पंचायत बड़वार के प्राथमिक व मिडिल स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षक की मांग को प्रमुखता से रखा। इसके अलावा हैंडपपं, वॉलीबॉल, क्रिकेट किट व रसोई घर का मरम्मत कराने की मांग रखी। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने विद्यार्थियों को खेल सामग्री के लिए तत्काल राशि प्रदान की तथा अन्य मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शिक्षक व ग्रामीण उपस्थित थे।

मैं जयस्तम्भ चौक हूँ,शहर के प्रमुख चौक चौराहों में मेरी गिनती होती है

मेरा इतिहास भी पुराना है, लेकिन मैं आजाद नहीं हूं:मनेन्द्रगढ़

» जय स्तंभ को चाहिए आजादी अतिक्रमणकारियों के चंगुल में फंसा जयस्तंभ कौन दिलाएगा आजादी?
» जय स्तंभ भी सुरक्षित नहीं धरोहर पर भी अतिक्रमणयों का हमला?
» मनेंद्रगढ़ का जयस्तंभ को अतिक्रमणकारियों से आजादी कौन दिलाएगा कलेक्टर नगर पालिका या फिर मुख्यमंत्री?
» राष्ट्रीय धरोहर को भी नहीं छोड़ रहे यह लोग कौन हैं?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा, इन पंक्तियों को गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर जगह उल्लेखित किया जाता है, लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि मनेंद्रगढ़ में बने जयस्तंभ को चारदीवारी में कैद करके रख दिया गया है. शहीदी स्मारक की जगह पर दुकानें बनाकर किराए पर उठा दी गई है, हैरत वाली बात तो यह है कि इस शहीद स्मारक को आजाद कराने के लिए जब लोगों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई तो सभी ने यह कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जय स्तंभ को अतिक्रमण करने वाले व शहीद स्मारक की जगह में दुकान बनाने वालों पर आखिर कब कार्यवाही होगी।

मैं जयस्तम्भ चौक हूँ, शहर के प्रमुख चौक चौराहों में मेरी गिनती होती है, मेरा इतिहास भी पुराना है, लेकिन मैं आजाद नहीं हूं, मुझे आजादी चाहिए कौन दिलाएगा? जब भी लोगो को श्रद्धांजलि अर्पित करनी पड़ती है जयंती मनानी पड़ती है तो लोग मेरे पास आकर यहां दीप जलाकर, पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते है। हर 15 अगस्त और 26 जनवरी के यहां झंडा भी फहराते है। देशभक्ति की बड़ी बड़ी बातें करते है और चले जाते है। लेकिन मुझे अब तक आजाद नहीं करा पाए।

पहले मैं आजाद था तब मैं यहीं से आजादी का महोत्सव देखता था अब चारदीवारी में कैद होने के कारण मैं अतिक्रमणकारियो की चपेट में हूँ। आजादी के बाद अमर शहीदों की याद को चिरअक्षुण बनाये रखने के लिए देश के सभी विकासखंडों में मुझे बनाया गया। मेरे पास आकर लोग आजादी का जश्न हर साल मनाते रहे लेकिन बीते 3 दशकों से जैसे जैसे शहर बढ़ता गया मेरा कद घटता गया और पहचान गुम होती गई। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है मैं भी आजादी का अमृत महोत्सव मनाना चाहता हूँ, मैं भी आजादी चाहता हूँ। जिम्मेदारों से विनती करता हु मुझे इस 15 अगस्त आजाद कराए।

मेरी इस स्थिति का जिम्मेदार कौन?

जय स्तंभ राष्ट की संपत्ति होते हैं राष्ट की धरोहर होते हैं लेकिन अगर उस पर अतिक्रमण कर लिया जाए और इसे आजाद कराने के लिए आम लोगों को न्यायालय की शरण लेना पड़े तो इसका जिम्मेदार आखिर कौन है। भारत गणराज्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। बड़े बड़े आयोजन हो रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य है अमर शहीदों की शहादत को याद रखने के लिए बनाया गया अभी तक आजाद नहीं हो पाया है।

मैं गांधी पार्क भी आजाद होना चाहता हूँ,

एक और जहां जयस्तंभ अतिक्रमण का शिकार है वहीं दूसरी ओर जय स्तंभ से लगा हुआ गांधी पार्क नाम का स्थल भी अतिक्रमण से नहीं बच पाया है।गांधी पार्क बच्चों के खेलने के लिए बनाया गया है लेकिन एक तथाकथित ट्रस्ट द्वारा इसे भी अपने कब्जे में कर लिया गया है। पूरे परिसर में तालाबंदी कर दी गई है गांधी पार्क में तालाबंदी शहीद स्मारक में अतिक्रमण ऐसे में हम आजादी का अमृत महोत्सव कैसे बना पाएंगे।

मेरे लिए ये कहते है जिम्मेदार

जयस्तम्भ का मामला न्यायालय में है इसलिए चारदीवारी में है। शिकायत को लेकर प्रकरण दर्ज है मामला न्यायलयीन है विचाराधीन है इसलिए प्रकरण पर फैसला आने के बाद ही कुछ होगा।
नयनतारा सिंह तोमर
एसडीएम

मैं इस पूरे मामले में एसडीएम मनेन्द्रगढ़ से जानकारी लेकर ही कुछ कह पाऊंगा। मैं एसडीएम से इस मामले में जानकारी लेता हूं।
कुलदीप शर्मा
कलेक्टर

नगरपालिका द्वारा अतिक्रमण हटाया जाता है लेकिन फिर से वहां दुकान लगा लेते है। नगरपालिका इसका सौंदर्यीकरण कराएंगे।
प्रभा पटेल
अध्यक्ष नगरपालिका मनेन्द्रगढ़

CMYK

तालिबान अपने बुद्धिजीवियों की आलोचना बर्दाश्त नहीं करेगा,प्रवक्ता जबीउल्लाह ने दी मीडिया को धमकी

काबुल, 23 जुलाई 2022। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता स्थापित होने के बाद से रोज कोई न कोई नए फरमान सुनाए जा रहे हैं। इस बार का मामला कुछ अलग है। दरअसल, तालिबान ने कहा है कि बिना किसी प्रामाणिकता के %इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान% के विद्वानों और लोक सेवकों की आलोचना करने वालों को दंडित करेगा। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कथित तौर पर अपने नेता मुल्ला हेबतुल्लाह अखुंदजादा द्वारा दिए गए निर्देशों के नए सेट को प्रकाशित भी किया है। जबीउल्लाह ने इन दिशानिर्देशों को लोगों और मीडिया के लिए एक तरह की शरिया जिम्मेदारी बताया है।

तालिबानी फरमान- झूठी आलोचना करने पर मिलेगी सजा

तालिबान ने अपने दिशानिर्देश में कहा है कि अफगानिस्तान में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अनावश्यक आरोपों और झूठी आलोचना करने वालों को कड़ी से कड़ी

सजा दी जाएगी। दरअसल, सुन्नी पश्तून समूह पर लंबे समय से मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया गया है और अक्सर लड़कियों की शिक्षा और महिलाओं के अधिकारों पर अपने रुख के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है। अब लगातार इस तरह की आलोचना से परेशान तालिबान ने फिर से फरमान सुना दिया है।

आलोचना करने वालों को अब दी जा रही सजा

मानवाधिकार संगठनों और मीडिया की कई रिपोर्टों से पता चलता है कि तालिबान ने सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना करने वाले कुछ लोगों को गिरफ्तार, कैद और प्रताड़ित किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अखुंदजादा के नए निर्देशों के तहत, ऐसे कार्यों को नकारात्मक प्रचार के रूप में समझा जाता है जो अनजाने में दुश्मनों की मदद करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार 27 सितंबर को, छिड़ी राष्ट्रीय बहस

टोक्यो, 23 जुलाई 2022। जापान के मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का 27 सितंबर को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस छिड़ गई है। कुछ आलोचकों ने इसे एक विभाजनकारी राजनीतिक हस्ती के महिमा मंडन का प्रयास करार दिया है। बता दें, आबे का निजी तौर पर अंतिम संस्कार टोक्यो के एक मंदिर में किया जा चुका है।

मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजू मात्सुनो ने कहा, जापान के सबसे लंबे समय तक पीएम रहे आबे के उत्कृष्ट योगदानों, आर्थिक सुधार, कूटनीति को बढ़ावा देने व विभिन्न क्षेत्रों में बेमिसाल नेतृत्व और 2011 में आई सुनामी के बाद हालात को पटरी पर लाने में उनके प्रयासों को देखते हुए उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाना उचित है। मात्सुनो ने कहा कि 'निप्पोन बुडोकन' में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा जो गैर धार्मिक कार्यक्रम होगा।

मिलीजुली प्रतिक्रियाएं

मंत्रिमंडल के निर्णय को लेकर विपक्षी नेताओं और आम लोगों की ओर से मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोगों ने कर से अर्जित धन खर्च करने का विरोध किया है जबकि कुछ ने सत्तारूढ़ पार्टी पर आबे के महिमामंडन और उनकी मौत का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है।

अमेरिका में पहली बार बच्चों में मिला मंकीपॉक्स, अब तक दुनियाभर में 13 हजार से ज्यादा मामले

वाशिंगटन, 23 जुलाई 2022। भारत के बाद अमेरिका में भी पहली बार मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। यहां दो बच्चों में संक्रमण पाया गया है। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कैलिफोर्निया में एक बच्चे व एक शिशु में मंकीपॉक्स की पहचान की गई है। दोनों अमेरिका के निवासी नहीं हैं।

भारत में अब तक तीन मामले - केरल में मंकीपॉक्स का तीसरा केस मामला सामने आया है। यह शख्स भी पूर्व में मिले संक्रमित की तरह यूएई से लौटा है। देश में अब तक मिले तीनों केस केरल में ही मिल हैं। 35 साल का यह शख्स इस महीने की शुरुआत में संयुक्त अरब अमीरात से केरल आया है। उसके सैंपल की जांच में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री

वीणा जॉर्ज ने बताया कि मलप्पुरम का रहने वाला युवक छह जुलाई को अपने गृह राज्य लौटा था और उसका तिरुवनंतपुरम के मंजेरी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। जॉर्ज के मुताबिक, युवक की हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि संक्रमित के संपर्क में रहे लोगों पर करीबी नजर रखी जा रही है। इससे पहले 14 जुलाई को केरल में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला था। कुछ दिनों बाद वहीं दूसरा मरीज भी मिला।

65 देशों में 13 हजार मामले

पिछले 11 सप्ताह में मंकीपॉक्स तेजी से फैला है। इसके करीब 13,000 मरीज लगभग 65 देशों में मिले हैं। कोविड महामारी के अनुभव की वजह से लोग चिंतित हैं कि कहीं मंकीपॉक्स एक महामारी और बड़ी समस्या तो नहीं बन जाएगा? लेकिन वैज्ञानिक कारणों पर ध्यान दें, तो ऐसा होने की आशंका बहुत कम है। आश्वस्ति के मुख्य कारण ये हैं कि जहां कोविड सांस से जुड़ा वायरस है और छींकने या खांसने से निकले कणों और बूंदों, दोनों के माध्यम से फैलता है, वहीं मंकीपॉक्स वायरस के प्रसार के लिए प्रभावित व्यक्ति के साथ, सीधे त्वचा से त्वचा का संपर्क होना जरूरी है।

छह मानवाधिकार समूहों को भारत समेत 6 देशों से झटका,यूएन की मान्यता मिलना होगा मुश्किल

यूएन , 23 जुलाई 2022। भारत समेत छह अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र की मान्यता देने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान कर छह मानवाधिकार समूहों को बड़ा झटका दिया है। प्रस्ताव अमेरिका द्वारा लाया गया है। इस प्रस्ताव में इन छह समूहों को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद में विशेष सलाहकार का दर्जा देने की मांग की गई थी।

203 मानवाधिकार समूहों की सिफारिश की गई थी

54 सदस्यीय आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की बैठक में, गैर-सरकारी संगठनों की समिति ने विशेष सलाहकार स्थिति के लिए

203 मानवाधिकार समूहों की सिफारिश की। जिनमें छह अन्य गैर-सरकारी संगठनों, जिसमें विकिपीडिया चलाने वाली संस्था भी शामिल है। इन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रस्तावित एक मसौदे में सूची में जोड़ा गया था। लेकिन भारत समेत छह देशों ने इनके खिलाफ मतदान कर बड़ा झटका दे दिया।

संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुत परिषद के साथ सलाहकार का दर्जा प्राप्त करने वाले गैर-सरकारी संगठनों की सूची पर मसौदा प्रस्ताव ने एक संक्षिप्त हलचल पैदा की। कुल 36 देशों द्वारा प्रायोजित मसौदा प्रस्ताव ने समिति द्वारा प्रस्तावित सूची में छह अतिरिक्त गैर-सरकारी संगठनों की सिफारिश की।

जो बाइडन बोले- द्रौपदी मुर्मू भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का सुबूत, दुनियाभर से मिली बधाइयां

इस्लामाबाद, 23 जुलाई 2022। भारत की 15वीं राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर द्रौपदी को दुनियाभर के देशों से बधाइयां मिली हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से भेजे गए संदेश में कहा गया, एक आदिवासी महिला का राष्ट्रपति जैसे पद पर पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। उनका निर्वाचन प्रमाण है कि जन्म नहीं, व्यक्ति के प्रयास उसकी नियति तय करते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र प्रमुख पद पर पहुंचना उनकी ऊंची शख्सियत का ही परिणाम है। उनके लिए ढेरों बधाइयां। फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मेक्रो ने कहा, मुर्मू को राष्ट्रपति बनने पर बधाई। महिलाओं को उनसे प्रेरणा मिलेगी। श्रीलंका में भी राजनीतिक दलों ने उन्हें खुले दिल से बधाइयां दीं। हाल ही में श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव हारने वाले डुलास अल्फापेरुमा ने कहा, आजादी के बाद जन्म लेने वाली, जातीय और सांस्कृतिक रूप से दुनिया के सबसे अनोखे देश की राष्ट्रपति को बधाई।

श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालवेग्या के सजित प्रेमदास ने कहा, मुर्मू का उत्थान सभी लोकतांत्रिक देशों को अपने लोगों के लिए बेहतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा, नेपाल सरकार और यहां के लोगों की ओर से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर मैं मुर्मू को बधाई देता हूं। उम्मीद है कि दोनों देशों के परंपरागत संबंध आने वाले दिनों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे।

पाकिस्तानी मीडिया ने भी मुर्मू को सराहा- राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर द्रोपदी मुर्मू को पाकिस्तान के मीडिया को भी सराहना मिली है। डॉन अखबार ने उनके 15वां राष्ट्रपति चुने जाने की खबर में कहा, इससे 2024 के चुनाव में भी नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने की संभावना प्रबल हुई है। वह भारत की दूसरी महिला राष्ट्रपति बनी हैं। साथ ही अखबार ने कहा, मुर्मू जिस आदिवासी समुदाय से आती हैं, वह भारत की 140 करोड़ जनसंख्या में केवल आठ फीसदी हैं। इससे केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा को इस वर्ग के वोट पाने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी सांसद ने सिंध प्रांत में सिंधियों की हालत पर जताई चिंता, संसद में मिला मजबूत समर्थन

न्यूयॉर्क, 23 जुलाई 2022। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के एक सांसद ने पाकिस्तान में सिंधी लोगों पर वर्षों से किए जा रहे मानवाधिकार हनन के खिलाफ मजबूत समर्थन दिया है। अमेरिकी संसद में प्रतिनिधि कैरोलिन मैलोनी ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत में इस समुदाय के हालात पर चिंता भी जताई।

मैलोनी ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान के तीसरे सबसे बड़े सिंध प्रांत में हो रहे मानवाधिकारों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने संसद में कहा कि यहां पर सिंधी समुदाय खुद को अनुचित सरकारी जांच में फंसा हुआ पा रहा है। उन्होंने कहा, अमेरिका के लिए शायद दुनिया में कट्टरपंथ के खिलाफ संघर्ष में कोई भी इतना महत्वपूर्ण नहीं जितना पाकिस्तान के साथ सार्वजनिक कूटनीति को बनाते हुए कट्टरपंथियों का विरोध जारी करना। उन्होंने कहा, यहां सिंधी समुदाय के लोग मानवाधिकारों के लिए सम्मान के पात्र हैं, चाहे वे किसी भी पंथ या आस्था के हों। मैं आग्रह करती हूं कि उनके मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए।

16 करोड़ महिलाओं ने जरूरत के बावजूद नहीं किया गर्भनिरोधक का इस्तेमाल

वाशिंगटन, 23 जुलाई 2022। अनचाहा गर्भधारण रोकने की जरूरत के बावजूद दुनियाभर में 16 करोड़ महिलाओं और किशोरियों ने 2019 में गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल नहीं किया। यह जानकारी प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका लैंसेट में छपे एक शोध में सामने आई है, जो बीते पांच दशकों से गर्भनिरोधकों के इस्तेमाल पर जोर दिए जाने के बावजूद वैश्विक जमीनी हकीकत से रूबरू कराती है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, वैसे तो दुनिया में आधुनिक गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल करने वाली प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं की तादाद 1970 में मात्र 28 फीसदी थी, जो 2019 में बढ़कर 48 फीसदी पहुंच गई। इसी तरह, 1970 में 55 फीसदी मांग पूरी हो रही थी तो 2019 में यह आंकड़ा 79 फीसदी हो गया। लेकिन इस बढ़ोतरी के बावजूद तीन साल पहले 16.3 करोड़ ऐसी महिलाएं रहीं, जिन्होंने जरूरत के बावजूद गर्भ निरोधक नहीं अपनाए।

अनचाहा गर्भ रोकने पर लैंसेट में छपे शोध में खुलासा

दुनिया में 2019 में गर्भनिरोधकों के उपयोग की 1970 से तुलना

बताया, गर्भनिरोधक नहीं अपनाना महिला सशक्तिकरण में बन रहा बाधक

1162 सर्वे के आंकड़ों का किया उपयोग

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का अध्ययन दुनियाभर में गर्भनिरोधक के इस्तेमाल, जरूरत, तरीके और उपलब्धता पर एक अनुमान बताता है। अध्ययन में 1,162 सर्वेक्षणों के आंकड़ों का उपयोग हुआ। इनमें 1970 से 2019 तक विभिन्न देशों, आयु समूह, वैवाहिक स्थिति के आधार पर महिलाओं के आंकड़े हैं।

मृत्यु दर कम करना, महिला सशक्तीकरण मकसद

गर्भ निरोधकों तक पहुंच का संबंध महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण व बेहतर स्वास्थ्य नतीजों से जुड़ा है। अनचाहा गर्भधारण रोककर मातृत्व और शिशु मृत्यु दर में कमी लाना भी इस अध्ययन का मकसद है।

पंजाब में हमजा फिर मुख्यमंत्री,इमरान को झटका, डिप्टी स्पीकर के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

लाहौर, 23 जुलाई 2022। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जोरदार झटका लगा है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के सीएम पद प्रत्याशी परवेज इलाही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पुत्र हमजा शहबाज से चुनाव हार गए। वहीं ताजा जानकारी के मुताबिक इसे लेकर कराची में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गया है, विपक्षी पार्टी के समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं।

सारा खेल किया, विधानसभा की कार्यवाही का संचालन कर रहे डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजारी ने। उन्होंने इलाही की अपनी ही पार्टी के 10 वोट नहीं गिने जाने की व्यवस्था दे डाली। हालत यह रही कि इलाही खुद को ही वोट नहीं दे पाए।

मजारी की ओर से घोषित अंतिम परिणाम के मुताबिक, हमजा ने 179 और इलाही ने 176 वोट हासिल किए। इससे पूर्व डिप्टी स्पीकर ने पीएमएल-क्यू अध्यक्ष हुसैन का पत्र पढ़कर सुनाया। इसमें उन्होंने कहा, पार्टी अध्यक्ष होने के नाते मैं अपने सभी विधायकों को हमजा के पक्ष में वोट करने का निर्देश देता हूं। मजारी ने बाद में कहा, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, पीएमएल-क्यू के वोटों की गिनती नहीं होगी। अहम बात यह कि परवेज इलाही पार्टी के विधायक दल के नेता हैं।

डिप्टी स्पीकर ने तर्क मानने से किया इनकार

पीटीआई सदस्य राजा बशारत ने इलाही के पक्ष में कई तर्क रखे, लेकिन डिप्टी स्पीकर ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया। बशारत संविधान की प्रति लेकर आए थे। डिप्टी स्पीकर ने कह दिया, हाल में हुए फैसले में सर्वोच्च न्यायालय इस पर स्पष्ट व्यवस्था दे चुका है।

मजारी के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, विरोध-प्रदर्शन तेज

पंजाब विधानसभा की कार्यवाही का संचालन कर हमजा शहबाज को मुख्यमंत्री बनाने वाले डिप्टी स्पीकर दोस्त मोहम्मद मजारी के खिलाफ अब बड़ा विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया है। तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं और उनके खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रदर्शनकारी कराची की शाहराह-ए-फैसल मार्ग पर इकट्ठा हुए हैं और जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीटीआई के प्रमुख नेता इमरान खान ने बीती रात लोगों से जोरदार प्रदर्शन करने की अपील की थी।

इमरान ने कहा कि मैं पंजाब विधानसभा में हमजा की जीत पर हैरान हूं। अब जनता सुप्रीम कोर्ट की ओर देख रही है। संसद में नैतिकता की ताकत होती है, सेना की नहीं, लोकतंत्र नैतिकता पर टिका होता है। प्रदर्शन में शामिल एक बुजुर्ग महिला ने कहा कि मैं 72 साल की हूं लेकिन मैं हर बैठक में जाती हूं, जो भी ईमानदार होगा वह इमरान खान के साथ होगा। पंजाब में आज जो हुआ, उससे मैं बहुत निराश हूं। लोगों का जनादेश चुरा लिया गया।

हुसैन से मिले थे पीपीपी के सहअध्यक्ष जरदारी

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सहअध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने एक दिन पहले पीएमएल-क्यू नेता हुसैन से मुलाकात की थी। उस समय हुसैन ने कहा था कि ऐसा कोई पत्र जारी करने का सवाल ही नहीं उठता। पीएमएल-क्यू और पीटीआई के इलाही को सीएम पद का संयुक्त प्रत्याशी बनाने पर सहमत हुए।

अमेरिका कर रहा लड़ाकू विमान भेजने पर विचार,रूस-यूक्रेन जंग और तेज होने का अंदेशा

वॉशिंगटन , 23 जुलाई 2022। बीते करीब पांच माह से जारी जंग में यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका स्वदेश में निर्मित लड़ाकू विमान भेजने पर विचार कर रहा है। इससे जंग और तेज होने का अंदेशा है। इस जंग के चलते पूरी दुनिया में कई संकट पैदा हो गए हैं। सबसे अहम संकट खाद्यान्न आपूर्ति का है। हालांकि, इस दिशा में दोनों देशों के बीच शुक्रवार को यूएन की मध्यस्थता में बड़ा करार हुआ है।

हालांकि, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने साफ किया है कि यह कदम तत्काल नहीं उठाया जाएगा। अमेरिका व नाटो देश यूक्रेन की परोक्ष मदद पहले से कर रहे हैं। अब अमेरिका में बने लड़ाकू विमान भेजकर यूक्रेन की ताकत में इजाफा करने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल अमेरिका में निर्मित लड़ाकू विमान भेजने की संभावना पता लगाई जा रही है। यदि अमेरिका ने इसकी इजाजत दी तो रूस इससे और खफा हो सकता है। इस जंग में रूस और यूक्रेन दोनों को अब तक भारी नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा कर लिया है, लेकिन जंग का अंत नजर नहीं आ रहा है।

वैश्विक खाद्य संकट के लिए रूस और यूक्रेन का बड़ा करार

पांच माह से जारी जंग के बीच शुक्रवार को अच्छी खबर यह आई कि रूस और यूक्रेन ने 150 दिन बाद संयुक्त राष्ट्र के मध्यस्थता से ब्लैक सी (काला सागर) से अनाज के निर्यात को बेरोकटक जारी रखने के लिए समझौता किया है। इस डील के रूस अब यूक्रेन के बंदरगाहों से निकलने वाले अनाज भरे जहाजों को नहीं रोकेगा। माना जा रहा है कि इसके बाद दुनियाभर में बढ़ते खाद्य संकट को टाला जा सकेगा। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर तुर्की के डोलमाबाचे पैलेस में हस्ताक्षर हुए। बैठक में

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और तुर्की के राष्ट्रपति तैयब रजब अर्दोआन भी मौजूद रहे। गुटेरेस ने इस बैठक के बाद कहा कि समझौते के जरिए यूक्रेन से खाद्य सामग्रियों के निर्यात का रास्ता खुल गया है। इससे विकासशील देशों को खाद्य और आर्थिक संकट से निकाला जा सकता है।

अब तक क्यों रुका था निर्यात?

गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच इस साल फरवरी से ही युद्ध जारी है। रूस ने यूक्रेन के कई अहम ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। इनमें काला सागर (ब्लैक सी) से जुड़े कई अहम ठिकाने शामिल हैं। इसके अलावा यूक्रेन के कई अहम बंदरगाहों पर भी रूस ने या तो कब्जा कर लिया है या उसकी ओर से हमले जारी हैं। ऐसे में यूक्रेन की तरफ से अनाज के निर्यात पर करीब पांच महीनों से रोक लगी है। इसी गतिरोध को खत्म करने के लिए यूएन और तुर्की ने रूस-यूक्रेन के बीच बातचीत शुरू कराने पर जोर दिया है।

कैसे पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है रूस-यूक्रेन संकट?

रूस की वजह से जो गतिरोध पैदा हुआ है, उसके चलते पूरी दुनिया में खाद्य सामग्रियों की महंगाई दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) का फूड प्राइस इंडेक्स, जो कि पूरी दुनिया में खाद्य सामग्रियों की कीमतों को ट्रैक करता है, मार्च में ही अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह ट्रैकर 1990 में ही शुरू हुआ था। यानी पूरे 32 वर्षों में खाद्य सामग्रियों के दाम सबसे ज्यादा रिकॉर्ड किए गए थे।

दुनिया को 24 फीसदी गेहूं मुहैया कराते हैं दोनों देश

रूस और यूक्रेन अनाज निर्यात के मामले में पावरहाउस हैं। इन्हीं दोनों देशों से दुनिया की गेहूं की 24 फीसदी जरूरतें पूरी होती हैं। इतना ही नहीं दुनिया की 57 फीसदी सूरजमुखी के तेल की जरूरत भी रूस-यूक्रेन ही पूरी करते हैं। यूएन कॉमट्रेड के मुताबिक, 2016 से 2020 तक यह दोनों देश दुनिया की 14 फीसदी मक्का के निर्यात के लिए भी जिम्मेदार थे। लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद से ही रूस-यूक्रेन निर्यात में बुरी तरह पिछड़ गए हैं और कई देशों में इन खाद्य सामग्रियों की कमी पैदा हो गई है।

भाजयुमो ने रोजगार व बेरोजगारी भत्ता के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ

तीन दिवस कोरिया के तीनों विधानसभा के एसडीएम कार्यालयों का घेराव

25 जुलाई सोमवार को होगा जिला रोजगार कार्यालय मनेन्द्रगढ़ का घेराव

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित साहू के निर्देश पर समूचे छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिला के सभी विधानसभाओं में रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता के मुद्दे को लेकर एसडीएम कार्यालयों का घेराव किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कोरिया जिला के तीनों विधानसभाओं में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला कोरिया के जिलाध्यक्ष श्री अंचल किशोर राजवाड़े के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालयों का उग्र प्रदर्शन कर कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर घेराव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, बैकुंठपुर विधानसभा के बैकुंठपुर एसडीएम कार्यालय में दिनांक-19 जुलाई मंगलवार को, भरतपुर-सोनहत विधानसभा के सोनहत एसडीएम कार्यालय का घेराव 20 जुलाई बुधवार को एवं मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के सोनहत एसडीएम कार्यालय का घेराव 22 जुलाई शुक्रवार को भाजयुमो के कार्यकर्त्ताओं के द्वारा ऐतिहासिक आंदोलन किया गया। भाजयुमो जिला अध्यक्ष श्री अंचल राजवाड़े ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों/जिला पदाधिकारियों/जिला कार्यसमिति सदस्यों और बैकुंठपुर विधानसभा के 6 मंडल (बैकुंठपुर, शिवपुर-चरचा,बचरा-पोंड़ी,सलका, कूड़ेली,पटना) भरतपुर-सोनहत विधानसभा के सात मंडल (हसदेव,सोनहत, जनकपुर,कुँवारपुर, कोटाडोल,केल्हारी,नागपुर) मनेंद्रगढ़ विधानसभा के तीन मंडल (मनेंद्रगढ़, खडगवा, चिरमिरी के मंडल अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया है। जिलाध्यक्ष श्री राजवाड़े ने बैकुंठपुर विधानसभा, भरतपुर-सोनहत विधानसभा एवं मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के वरिष्ठ नेताओं, भाजपा कार्यकर्त्ताओं एवं बैकुंठपुर विधानसभा के कार्यक्रम प्रभारी (सत्यम साहू,हितेश सिंह,रंजन शर्मा),भरतपुर सोनहत प्रभारी (हर्षल गुप्ता,शारदा प्रसाद,प्रखर गुप्ता,जितेंद्र यादव), मनेन्द्रगढ़ प्रभारी (सुशील सिंह,मनोज शुक्ला,कोमल पटेल) को उक्त तीनों एसडीएम कार्यालय घेराव के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने के लिए एवं पूर्ण समर्पण भाव के साथ कार्य करने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप-

भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल किशोर राजवाड़े ने कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं से घोषणा पत्र के माध्यम से वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद बेरोजगार युवाओं को 25 सौ रुपए बेरोजगारी भत्ता एवं 1 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा,इस निकम्मी सरकार का कार्यकाल 42 माह पूर्ण हो गए किंतु आज तक कोरिया जिला सहित छत्तीसगढ़ के किसी भी बेरोजगार युवा को ना तो एक रुपये बेरोजगारी भत्ता मिला और ना ही किसी को रोजगार। जल्द बेरोजगारी भत्ता एवं रोजगार न मिलने की स्थिति में भाजयुमो जिला अध्यक्ष श्री अंचल राजवाड़े ने जिला प्रशासन को पूरे जिलेभर में उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता के विषय को लेकर ऊर्जा भरने का काम किया

भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग के प्रभारी चिंटू राजपाल ने तीनों विधानसभाओं के एसडीएम कार्यालय के घेराव में शामिल होकर युवाओं के बीच में रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता के विषय को लेकर ऊर्जा भरने का काम किया, इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजपाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया,उन्होंने भुपेश सरकार को पूर्ण रूप से युवा विरोधी सरकार बताया है।

युवाओं को धर्म अंतरित किया जा रहा है, जो पूर्णतः अन्यायपूर्ण

भाजपा संगठन के जिला प्रभारी श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कांग्रेसी सरकार को माफियाओं की सरकार, उद्योगपतियों की सरकार बताया है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में युवाओं को धर्म अंतरित किया जा रहा है, जो पूर्णतः अन्यायपूर्ण है।

वर्तमान सरकार ने युवा बेरोजगार युवाओं का भविष्य हाशिए पर रख दिया

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया के जिला अध्यक्ष श्री कृष्णबिहारी जायसवाल ने कांग्रेस सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में बेरोजगार युवाओं को अच्छी शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का काम किया गया किंतु वर्तमान सरकार ने युवा बेरोजगार युवाओं का भविष्य हाशिए पर रख दिया है।

भाजपा ने 15 साला में प्रदेश को बहुत कुछ दिया

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं डॉ रमन सिंह के शासनकाल में कैबिनेट मंत्री रहे श्री भैयालाल राजवाड़े ने कहा कि 15 साल हमारी भी सरकार थी लेकिन 15 सालों में एम्स, आई.आई.टी, आई.आई.एम जैसे बड़े इंस्टिट्यूट डॉ. रमन सिंह जी के कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में खुले. युवाओं को रोजगार की दृष्टि में सुनहरे अवसर मिले,वर्तमान की कांग्रेस सरकार युवाओं को लेकर जरा सी भी गंभीर नहीं है, युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

महिला विरोधी सरकार

सोनहत एसडीएम कार्यालय घेराव के दौरान भरतपुर सोनहत की पूर्व विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव श्रीमती चम्पादेवी पावले ने वर्तमान सरकार को युवा, किसान, महिला विरोधी सरकार का आरोप लगाते हुए कहा कि भूपेश सरकार अपने किए वादों से मुकर रही है और यहां का पैसा अपने आकाओं के पास पहुंचाने का काम कर रही है।

यह पूर्णतः किसान विरोधी सरकार है

खड़गवां में एसडीएम कार्यालय घेराव के दौरान भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इन 4 वर्षों से कांग्रेस सरकार माफियाओं की सरकार है, यह पूर्णतः किसान विरोधी सरकार है, राज्य सरकार किसानों के साथ बहुत ही अन्याय कर रही है, इन्हें खाद उर्वरक नहीं दे पा रही है, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता और रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रही है,भूपेश की कांग्रेस पार्टी अपने सभी वायदों पर पूरी तरह फेल है।

युवाओं से शराब बेचवाने व गोबर उठवाने का काम

भाजयुमो प्रदेश महामंत्री श्री रितेश गुप्ता ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार युवाओं से शराब बेचवाने और गोबर उठवाने का काम कर रही है । रोजगार उपलब्ध कराने में यह सरकार फेल है।

कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचारी होने का आरोप

इस दौरान पूर्व विधायक श्री दीपक पटेल ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचारी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है वर्तमान सरकार से सभी वर्ग परेशान हैं। बताना लाजमी है कि तीनों विधानसभा में शानदार सफल प्रदर्शन के लिए जिला संगठन प्रभारी श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं सहप्रभारी श्री प्रशांत सिंह ठाकुर ने युवा मोर्चा की टीम को बधाई, शुभकामना व शाबाशी दिया है।

टीएस सिंहदेव सभी विभागों से इस्तीफा दें,मंत्रिमंडल में न रहें: बघेल

» एक बात मंजूर नहीं तो दूसरी बात भी मंजूर नहीं होनी चाहिए

» मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री के पिता नंद कुमार बघेल का बयान

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

अविभाजित कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ शहर प्रवास पर पहुंचे छत्तीसगढ़ सरकार में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल ने बड़ा बयान दिया है उन्होंने कहा है कि टी एस सिंहदेव मंत्रिमंडल से पूरी तरह स्तीफा दें उन्हें इस्तीफा एक विभाग से देने की बजाए अपने समस्त विभाग जिसके वह मंत्री हैं उससे उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। टीएस सिंहदेव के स्तीफे को लेकर अपना बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि यह क्या बात हुई कि एक बात पसंद है और एक बात नहीं टी एस सिंहदेव को सभी विभागों से स्तीफा दे देना चाहिए।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब मुख्यमंत्री के पिता टीएस सिंहदेव पर हमलावर हुए हों,जबसे प्रदेश में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी है तभी से लगातार मुख्यमंत्री के पिता नंद कुमार बघेल टी एस सिंहदेव को लेकर अपना बयान जारी करते आये हैं और वह भी उनका बयान टी एस सिंहदेव के विरोध में होता है और उनके खिलाफ होता है यह लगातार देखा जाता रहा है। मुख्यमंत्री के पिता कभी टी एस सिंहदेव को हराने की बात करते हैं कभी उन्हें मंत्रिमंडल से स्तीफा देने की बात करते हैं कभी किसी अन्य तरीके से उनका अपमान करते हैं यह एक तरह से मुख्यमंत्री के पिता नंदकुमार बघेल की टी एस सिंहदेव के प्रति रोजाना व्यवहार में शामिल हो चुका है जब कभी भी उनका सरगुजा संभाग में प्रवास होता है उस दौरान। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री के पिता का टी एस सिंहदेव को लेकर लगातार की जा रही बयानबाजी पर वैसे तो टी एस सिंहदेव कभी कुछ नहीं कहते मौन ही रहते हैं लेकिन कहीं न कहीं मुख्यमंत्री के पिता के बयान से लगातार साबित हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में टीएस सिंहदेव की स्थिति बेहतर नहीं है उन्हें लगातार उपेक्षा का दंश झेलना पड़ रहा है।

टीएस सिंहदेव लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहें हैं उन्हें कभी किसी विधायक की तरफ से बदनाम किया जा रहा कभी उनका विभाग में ही उनके कुछ कोई नहीं सुन रहा है जिसकी वजह से ही उन्होंने हाल फिलहाल में ही पंचायत मंत्री के अपने प्रभार से स्तीफा दे दिया था उसी स्तिफे के संदर्भ मुख्यमंत्री के पिता का यह बयान सामने आया है जिसमें वह टी एस सिंहदेव से पूरी तरह स्तीफा मांग रहें हैं, वैसे कुछ लोगों का यह भी कहना है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में किस तरह दो फाड़ होता जा रहा वह इसी बात से सामने आ रहा है जब एक कद्दावर नेता और मंत्री के खिलाफ विधायक सहित मुख्यमंत्री के पिता अनर्गल बयान जारी कर रहें हैं। वैसे कुछ लोगों का मानना है कि मुख्यमंत्री के पिता वही बयान टी एस सिंहदेव के संदर्भ में जारी कर रहें हैं जो मुख्यमंत्री की भी मंशा है।

पंचायत सचिवों ने जनपद के सीईओ पर लगाए गंभीर आरोप

-राजा मुखर्जी-

कोरबा, 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

कटघोरा जनपद के सीईओ एच एन खोटेल पर पंचायत सचिवों ने एक बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। छठवीं बार कटघोरा में ही पदस्थ किए गए श्री खोटेल पर आरोप है कि इनके द्वारा पिछली बार डरा-धमका कर प्रताड़ित किया जाकर सचिवों से अवैध वसूली की जाती रही। मानसिक व आर्थिक रुप से प्रतार्ति किया जाता। 10,000 रुपये प्रति सचिव के मान से मांग की गई और नहीं देने पर धमकी दी गई कि किसी भी पंचायत में शिकायत कराकर जांच के नाम पर 2 से 3 लाख रुपये निकालने की बात कही गई। भयभीत होकर

सचिवों ने अपने वेतन से राशि संग्रहित कर 3 लाख 40,000 रुपए सीईओ के केबिन में जा कर दिया। इसके बाद भी उनका रवैया सचिवों के प्रति दुर्भावना से ग्रसित है। पंचायत सचिवों ने शपथ पत्र के साथ आवेदन कटघोरा एसडीएम के माध्यम से कलेक्टर को प्रेषित किया । वहीं सीईओ एच एन खोटेल ने इस तरह के आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि, उन्होंने कभी भी किसी भी सचिव से ना तो रुपए की मांग की है और न ही वसूली की गई है। हालांकि किसी पंचायत में होने वाले बड़े आयोजन पर एक ही पंचायत के ऊपर कोई भार ना पड़े, इसके लिए अन्य पंचायतों के सचिवों को जरूर कहा गया था कि वे आपस में सहयोग करके काम करें। वसूली, धमकी उगाही जैसे सभी आरोप निराधार हैं।

बीएमओ के साथ मारपीट की घटना से हताश स्वास्थ कर्मचारियों ने

अस्पताल में सिर्फ इमरजेंसी सेवा देने के अलावा बंद किया है आज कामकाज

-उपेश सिन्हा-

कुसमी 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र कुसमी में बीएमओ के पद पर पदस्थ डॉ राकेश ठाकुर के साथ मारपीट की घटना सामने आई है,दरसल जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की शाम करकली गांव में ट्रक की चपेट में आकर दो सगे भाइयों की मौत हो गई थी लेकिन घटना स्थल में एक भाई की मौत हुई थी वही दूसरे भाई की मौत अस्पताल से गम्भीर रूप से रेफर करने के बाद अम्बिकापुर निकलते वक्त सेमरा गांव में मौत होना बताया जा रहा है ,मौत की पुष्टि करने के लिये कुछ लोगो द्वारा बीएमओ को सेमरा गांव बुलाया गया था जहाँ पास लोगो की काफी भीड़ जुटी हुई थी,और वही पास फिर बीएमओ एवं संजीवनी एक्सप्रेस 108 के वाहन चालक एजाज अहमद के साथ मरीज को स्वाथ्य सुविधा ठीक से नही देने से मौत होने का आरोप लगाते हुये मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया, भीड़ में ही कुछ लोगो ने किसी तरह बीएमओ को वहाँ जान बचाकर भगा दिया, जब बीएमओ वापस जान बचाकर किसी तरह अस्पताल लौटे तो घटना की जानकारी अपने स्टाफ को दिया तो सभी स्वाथ्यकर्मी नाराज हो गये और देर रात कुसमी थाना पहुँचकर पुलिस को घटना का आवेदन देकर मारपीट करने वाले लोगो पर कार्यवाही की मांग करी है,वही आज शनिवार को सुबह सभी स्टाफ अस्पताल परिसर में एकजुट होकर घटना की निदा करते हुये कामकाज बंद कर दिये सिर्फ एमरजेंसी सेवा ही अस्पताल में दिया जा रहा ,अस्पताल में पुलिस और एसडीएम चेतन साहू आकर बीएमओ एवं स्टाफ को समझाइश दिये है,मारपीट की घटना से डरे हुये बीएमओ राकेश ठाकुर अस्पताल छोड़कर कहीं और चले गये है,बहरहाल घटना में दो सगे भाइयों की जान तो चली गई उनके घर मे तो मानो पहाड़ सा टूट पड़ा है परिजनों पर लेकिन बीएमओ संजीवनी 108 के ड्राइवर के साथ मारपीट की घटना को अंजाम देना क्या मानवता हित मे सही है स्वाथ्यकर्मीयो ने बताया कि बीएमओ साहब मानवता के नाते सेमरा गांव तक चले गये थे बाईक से जबकि 108 में एमटी भी मौजूद रहता है जो इंसान के मौत की पुष्टि कर सकता है,एमटी को ट्रेनिग दी जाती है,साहब ने अस्पताल में मौजुद सुविधा के हिसाब से मरीज की जान बचाने के लिये अपनी ओर से पूरा प्रयास किया था,लेकिन ट्रक दुर्घटना से घायल मरीज काफी गम्भीर हालत में था,और अम्बिकापुर जाते वक्त अस्पताल से करीब1 से2 किलोमीटर के अंदर ही उसने अपनी जान गवा दी थी।

स्वर्गीय बिसाहू दास महंत को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई

-नगर संवाददाता-

कोरबा, 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कोरबा के स्मृति उद्यान में अविभाजित मध्यप्रदेश में कैबिनेट मंत्री रहे, प्रदेश के जननेता स्व. बिसाहू दास महंत की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ,कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत,प्रदेश राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के साथ कोरबा महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

द्रौपदी मुरमू के विजयी होने पर अजा मोर्चा ने खुशी जताई

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

गुरुवार को जिला मुख्यालय सूरजपुर शहर में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा देश के सर्वोच्च पद पर जनजाति समाज से उड़ीसा की रहने वाली द्रौपदी मुरमू जी के विजय होने पर अजजा मोर्चा के द्वारा पटाखे फोड़ कर, मिठाई बांटकर उत्सव मनाते हुए नवापारा से अग्रसेन चौक तक रैली निकाली गई गौरतलब है जिला मुख्यालय सूरजपुर शहर स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय मैं अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा देश के सर्वोच्च पद पर जनजाति समाज से उड़ीसा की रहने वाली द्रौपदी मुरमू के विजय होने पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश यादव, भाजपा जिला महामंत्री

राजेश अग्रवाल महलवाला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा संत सिंह, अजा मोर्चा जिला महामंत्री दरोगा सिंह, मंडल सूरजपुर ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र राजवाड़े सहित सभी ने मंच को संबोधित किया तो स्वागत उद्बोधन भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल व अजजा मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गणेश सिंह ने आभार प्रदर्शन किया

इस कार्यक्रम के दौरान अजा मोर्चा के अध्यक्ष अजय सिंह, गणेश सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किरण खेश, चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ.एचएन चतुर्वेदी, आनंद सोनी, सतवीर सिंह, अंबिका राजवाड़े, रेवती राजवाड़े, देवनारायण मिस्त्री, अमरजीत राजवाड़े, भोला शंकर साहू, अनिल साहू, राजू देवांगन, राजेश साहू, शिव शंकर साहू, अमीर चंद गुप्ता, किसन देवांगन, भुनेश्वर साहू, नंदकुमार राजवाड़े, भोला रवि, सरपंच शिवप्रसाद सिंह, सरपंच भगत सिंह, सरपंच कमलेश्वर सिंह, भाजयुमो शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल, सतनारायण गुप्ता, कौशल्या सिंह, अनीता मिश्रा, जमुनिया साहू, अनीता तिवारी, अनीता गुप्ता सहित काफी संख्या में अजजा मोर्चा, भाजपा, भाजयुमो, महिला मोर्चा के साथ-साथ सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पुष्पा सिंह जनजाति गौरव महिला समाज सूरजपुर जिला इकाई की अध्यक्ष मनोनीत

-नगर संवाददाता-

सूरजपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

जनजाति गौरव समाज की संभाग स्तरीय बैठक में भाजपा नेत्री पुष्पा सिंह को जनजाति गौरव महिला समाज की सूरजपुर जिला इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में जनजाति गौरव समाज के संभागीय अध्यक्ष परमेश्वर सिंह मरकाम ने समाज के महिला प्रभाग के सुरजपुर जिलाध्यक्ष के लिए भाजपा नेत्री पुष्पा सिंह नेताम के नाम की घोषणा करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी की बधाई दी।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन कर संगठन को मजबूत बनाने का हर संभव प्रयास करेंगी। बैठक में प्रदेश सचिव रामलखन सिंह पैकरा, प्रदेश प्रवक्ता इंदर भगत, सरगुजा जिलाध्यक्ष बिहारीलाल उरांव, महिला अध्यक्ष अनामिका सिंह पैंकरा, बलरामपुर महिला जिलाध्यक्ष शशीकला भगत, कोरिया जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, उमाशंकर भगत, रमेश पैकरा, विनोद भगत, उदय सिंह प्रमुख रूप से मौजूद थे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202206020700230

विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व

सनः- 2021-2022

अम्बिकापुर प .ह.न. 00015 (हे0)

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार-प्रियंका दुबे,

अनवेदक पक्षकार- सविता चौबे

ईश्तहार

आवेदक प्रियंका दुबे पत्नी राजा राजकुमार दुबे निवासी तकिया रोड,अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग के द्वारा माननीय न्यायालय श्रीमान द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 के वाद क्रमांक 17ए/2020 में पारित निर्णय एवं आज्ञप्ति दिनांक 30-09-2021 के परिपालन में ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 5011/29 रकबा 0.020 हे0 भूमि के रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है

उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25.07.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/06/2022 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

सील सरगुजा (अम्बिकापुर)

दो बेटियों ने शहर का गौरव बढ़ाया

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 23 जुलाई 2022(घटती-घटना)।

। मनेंद्रगढ़ नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई छेदी लाल अग्रवाल के सुपुत्र हरीश अग्रवाल की दो बेटियों ने इस शहर का गौरव बढ़ाया है. एके डमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं की छात्रा नेहल अग्रवाल ने 97.4 प्रतिशत तथा नियति अग्रवाल ने भी कक्षा दसवीं में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं. स्कूल में नेहल अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है वहीं नेहल की छोटी बहन नियति अग्रवाल ने स्कूल में दूसरा स्थान बनाया है.दोनों सगी बहनों की उल्लेखनीय उपलब्धि पर परिजनों में खुशी का माहौल है.एक मुलाकात में नियति और नेहल ने बताया कि उनकी इस उपलब्धि में उनके गुरुजनों तथा परिजनों का आशीर्वाद शामिल है.वे इस उपलब्धि के लिए रोजाना 4 से 6 घंटे अध्ययन किया करती थी.दोनों ने बताया कि आगे चलकर वेआईआईटी इंजीनियरिंग करना चाहती हैं .बहरहाल नेहल और नियति की इस उपलब्धि पर उनके परिजनों व शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कोरबा पुलिस खाकी के रंग स्कूल के संग' अभियान के अंतर्गत बाल सदन स्कूल पहुंच,सामान्य कानून यातायात नियमों,गुड टच बैड टच संबंध में दी जानकारी

-नगर संवाददाता-

कोरबा, 23 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह के निर्देश पर कोरबा पुलिस द्वारा खाकी के रंग स्कूल के संग अभियान के अंतर्गत बाल सदन हाई स्कूल में कार्यक्रम किया गया, जिसमें लगभग 200 की संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे ,जिन्हें बाल अपराध, महिला संबंधी अपराध , गुड टच बैड, टच क्या करें क्या न करें, साइबर अपराध , अभिव्यक्ति एप एवं अन्य सामान्य कानूनों की जानकारी दी गई । साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु आत्मरक्षा के तरीके सिखाए गए।

इस कार्यक्रम में महिला सेल प्रभारी निरीक्षक गायत्री शर्मा , महिला आरक्षक प्रतिभा राय ,स्मिता बेक ,आर राकेश जांगड़े एवं आर ओम प्रकाश निर्मलकर उपस्थित थे ।

भारत के 2022-23 घरेलू कैलेंडर में दुलीप ट्रॉफी,ईरानी कप की वापसी

मुंबई, 23 जुलाई 2022। बीसीसीआई दुलीप ट्रॉफ़ी को क्षेत्रीय प्रारूप में और ईरानी कप को 2022-23 के सीनियर पुरुष घरेलू कैलेंडर में वापस लाने जा रहा है, जो सितंबर की शुरुआत में शुरू होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण रूप से अंडर-16 टूर्नामेंट के अलावा बोर्ड ने कैलेंडर में कई महिला प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया है।

रणजी ट्रॉफ़ी को दिसंबर और फ़रवरी के बीच संभावित रूप से आयोजित कराने की योजना है, जो सैयद मुश्ताक़ अली टी20 (अक्तूबर-नवंबर) और विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी (नवंबर-दिसंबर) के बाद होने की संभावना है। यह चार एलीट और एक प्लेट पूल वाले अपने पुराने प्रारूप में वापस आ जाएगा, जिसमें एलीट टीम को कम से कम सात ग्रूप मैच मिलने की संभावना है।

अस्थायी कैलेंडर, जो ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो ने देखा है, मुंबई में शीर्ष परिषद की बैठक में संचालन टीम को बीसीसीआई के महाप्रबंधक अभय कुरुविला द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंतिम तारीखें जल्द ही जारी की जाएगी।

2006 में भारतीय महिला क्रिकेट संघ द्वारा महिलाओं के लिए अंडर -16 टूर्नामेंट का आख़िरी बार आयोजन कराया गया था, जिसे महिला अंडर-19 विश्व कप (टी20) को ध्यान में रखते हुए अब वापस लाया गया है। इस ग्लोबल टूर्नामेंट का उद्घाटन संस्करण अगले साल की शुरुआत में दक्षिण अफ़्रीका में आयोजित किया जाना है।

भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा, अंडर-16 काफ़ी अहम टूर्नामेंट है। मुझे याद है जब मैं 10-11 साल की थी और अंडर-19 टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही थी, तो मुझे बताया गया था कि मैं बहुत छोटी हूं।

आयु वर्ग की बहुत सारी लड़कियों ने क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया है और अब उनके लिए अंडर-16 में खेलने और फिर अंडर-19 टीम में शामिल होने का अवसर है। इस तरह उनके पास अंडर-19 विश्व कप के लिए ख़ुद को तैयार करने के लिए दो टूर्नामेंट हैं।

पांच साल के अंतराल के बाद सीनियर महिला खिलाड़ियों के लिए क्षेत्रीय प्रतियोगिता (टी20 और वनडे पारूप) का फिर से शुरू करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अंडर-23 के लिए भी टी20 और वनडे की प्रतियोगिताएं हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए कि अंडर -19 टीम में जगह बनाने से चूकने वाले खिलाड़ियों के पास एक और लेवल है।

स्मृति ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से क्षेत्रिय प्रतियोगिता में खेलने में मज़ा आया है, यह ज़बरदस्त ख़बर है। मेरे पास वेस्ट ज़ोन के लिए खेलने की बहुत अच्छी यादें हैं। इससे मुझे एक क्रिकेटर के रूप में सुधार करने में मदद मिली। हमारे पास अंडर-19 और सीनियर लेवल पर दोनों में ज़ोनल टूर्नामेंट थे, जहां पूरे घरेलू सत्र से गुज़रने के बाद सिर्फ़ पांच टीमों ने क्रिकेट का स्तर ऊंचा किया। मुझे ख़ुशी है कि यह वापस आ रहा है। महिला कैलेंडर में कई नए टूर्नामेंट शामिल होने से बीसीसीआई को महिला आईपीएल को शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, जिसके लिए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के मुताबिक़ काम चल रहा है। सितंबर में बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में इस मामले पर चर्चा होने की संभावना है।

पुबुदु दासानायका ने नेपाल मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया

काठमांडू , 23 जुलाई 2022। पूर्व श्रीलंकाई विकेटकीपर पुबुदु दासानायका ने नेपाल नेशनल टीम के मुख्य कोच पद से पारिवारिक कारणों से इस्तीफ़ा दिया है। उनके अनुबंध में अभी डेढ़ साल का समय बचा था और अब वह 2023 के अंत तक कनाडा के मुख्य कोच का पद संभालेंगे।

52 वर्षीय दासानायका 1990 के दशक में टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद 2001 से ओंटारियो, कनाडा के ही निवासी हैं। उन्होंने 2005 में आयरलैंड में खेले गए आईसीसी ट्रॉफ़ी में पहली बार कनाडा का प्रतिनिधित्व किया था और अपनी टीम को 2007 के विश्व कप के लिए क्वालिफ़ाई करने में अहम भूमिका निभाई थी। 2007 से 2011 विश्व कप तक वह कनाडा के मुख्य कोच भी थे। यह कनाडा के लिए 50 ओवर विश्व कप खेलने का आख़िरी मौक़ा था। उसके बाद वह नेपाल टीम से जुड़े और 2015 तक मुख्य कोच बने रहे और इस दौरान नेपाल को 2014 में पहली बार टी20 विश्व कप तक पहुंचाया।

दासानायका 2016 से 2019 तक यूएसए के मुख्य कोच थे और इसके बाद उन्होंने दिसंबर 2021 में दूसरी बार नेपाल की कमान संभाली। हालांकि उन्होंने कहा कि कोविड के चलते उन्होंने अपने पारिवारिक जीवन को ज़्यादा प्राथमिकता देने का फ़ैसला किया है।

उन्होंने कहा, कोविड के दौरान मैं क्रिकेट से दूर था। मेरी बीवी कनाडा में पशु चिकित्सक हैं और इस दौरान वह काफ़ी व्यस्त रहीं और मैं उनकी सहायता करने लगा था। जब कोविड का क़हर थोड़ा कम हुआ तब मुझे नेपाल को कोच करने का अवसर मिला था। एक लंबे अंतराल के बाद यह नौकरी मेरे लिए सही थी। लेकिन नेपाल में पहली बार इस काम के दौरान हालात अलग थे। अब मेरे बच्चों को उनकी पढ़ाई के लिए मेरी मदद की ज़रूरत है। मेरी सास भी पिछले दो महीनों से अस्वस्थ हैं। सब कुछ मेरी बीवी को संभालना पड़ रहा है। ऐसे में मेरा दूर रहना मुनासिब नहीं।

दासानायका ने कहा कि वह क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल को अपना त्यागपत्र स्कॉटलैंड में हालिया वनडे दौरे के दौरान ही देना चाहते थे लेकिन बोर्ड ने उन्हें कोच बने रहने का आग्रह किया। इस हफ़्ते काठमांडू लौटने पर उन्होंने बोर्ड के साथ एक मीटिंग में अपना इस्तीफ़ा दिया जिसे बोर्ड ने स्वीकार किया।

दासानायका का मानना है कि नेपाल टीम में सफल होने के लिए एक अच्छे टीम की नींव मौजूद है। कप्तान संदीप लामिछाने के अलावा उन्होंने 19-वर्षीय उपकप्तान रोहित पौडेल और 17-वर्षीय शीर्ष क्रम बल्लेबाज़ देव खनाल की तारीफ़ की। उन्होंने कहा, जब मैं नेपाल आया तो संगठन और खिलाड़ियों में काफ़ी अनबन थी। दोनों में कोई बातचीत नहीं चल रही थी और दोनों अपने पक्ष पर अड़े थे। ऐसे में मैं दोनों के बीच मध्यस्थ बन सका क्योंकि खिलाड़ियों का भरोसा मुझ पर था और बोर्ड ने भी माना कि वह मेरे फ़ैसलों का सम्मान करेंगे। जब बोर्ड ने युवा प्रतिभाओं को देखा तो उन्होंने उनका समर्थन किया। खिलाड़ियों के वेतन, मैच फ़ी और अलाउंस में वृद्धि हुई। इस पूरे विवाद की वजह से हमें कुछ सीनियर खिलाड़ियों को ड्रॉप करना पड़ा।

उन्होंने आगे कहा, हमने कुछ मैच इसलिए हारे कि 17 और 19 साल के लड़के इस स्तर पर खेलने के आदि नहीं थे। थोड़ा समय लगेगा लेकिन यह बहुत प्रतिभावान हैं। वर्ल्ड क्रिकेट लीग टू में मैंने कई एसोसिएट देशों को देखा है और प्रतिभा के मामले में यह किसी से कम नहीं। मैं अगर यहां ना भी रहूं मैं हमेशा इनका समर्थन करूंगा। दासानायका के लिए कनाडा के साथ पहला कार्यक्रम होगा आईसीसी वर्ल्ड कप चैलेंज लीग ए में दूसरा राउंड, जो 27 जुलाई से 6 अगस्त तक खेला जाएगा। कनाडा फ़िलहाल छह टीम के तालिका में पहले पांच में से चार मैच जीतकर शीर्ष पर है। आगे उन्हें सिंगापुर, क़तर, डेनमार्क, मलेशिया और वानुआटु की मेज़बानी करनी है।

वनडे धीमी मौत मर रहा है लेकिन टेस्ट क्रिकेट अभी भी मजबूत:उस्मान ख्वाजा

मेलबोर्न , 23 जुलाई 2022। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख़्वाजा के अनुसार वनडे क्रिकेट एक धीमी मौत मर रहा है। उनके लिए बेन स्टोक्स का वनडे क्रिकेट से संन्यास लेना कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है। 31 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेन स्टोक्स ने क्रिकेट अधिकारियों को खिलाड़ियों के साथ गाड़ी जैसा व्यवहार ना करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई है कि उनके वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के निर्णय से सब सचेत होंगे।

स्टोक्स के अनुसार अभी काफ़ी ज़्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है, इससे किसी भी खिलाड़ी के लिए तीनों फ़ॉर्मेट में खेलना काफ़ी मुश्किल हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज़ उस्मान ख़्वाजा 2019 के बाद से सीमित ओवर के क्रिकेट में शामिल नहीं हुए हैं। उनके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के परिमाण को देखते हुए आगे चल कर 50 ओवर क्रिकेट में भारी कटौती होगी।

यह मेरी अपनी निजी राय है। मुझे पता है कि बहुत सारे लोगों का भी यही दृष्टिकोण है। आपके पास टेस्ट क्रिकेट है, जो शिखर पर है। आपके पास टी 20 क्रिकेट है, जिसमें स्पष्ट रूप से दुनिया भर में लीग हैं। हर कोई इसे देखना पसंद करता है। इन दोनों के बाद वनडे क्रिकेट है, जिसका प्रभाव कम हो रहा है। शायद यह इन तीनों फ़ॉर्मेट में अंतिम पायदान पर है।

व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा लग रहा है कि वनडे क्रिकेट धीमी मौत मर रहा है। अभी भी विश्व कप है, जो मुझे लगता है कि वास्तव में मज़ेदार है और यह देखना सुखद है लेकिन इसके अलावा व्यक्तिगत रूप से मुझे वनडे क्रिकेट उतना पसंद नहीं है।

विदेशी टी20 लीग खेल पाएंगे भारतीय क्रिकेटर!

नयी दिल्ली , 23 जुलाई 2022। आईपीएल फ्रेंचाइजी के दबाव में बीसीसीआई अब भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी फ्रेंचाइजी लीग में खेलने की अनुमति देने पर विचार कर रहा है। विदेशों में आईपीएल के बढ़ते प्रभाव के साथ भारतीय खिलाड़ियों को अनुमति देने की मांग काफी बढ़ गई है। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी ने दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग की सभी 6 टीमें खरीद ली हैं। ऐसे में अब आईपीएल फ्रेंचाइजी के दबाव में बीसीसीआई कुछ ठोस फैसला ले सकता है। सितंबर में होने वाली एजीएम (वार्षिक आम बैठक) में इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इनसाइडस्पोर्ट से बातचीत में कहा, ÷विदेशी लीग में उपस्थिति वाली कुछ आईपीएल टीमों ने बीसीसीआई से भारतीय खिलाड़ियों को अनुमति देने का अनुरोध किया है। लेकिन हमें किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले एजीएम में इस पर चर्चा करनी होगी। यह एक विवादास्पद मुद्दा है क्योंकि आईपीएल इसकी विशिष्टता के कारण सफल है। निश्चित रूप से हम इसे नहीं खोएंगे। जहां तक विदेशों में खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात है, तो यह फ्रेंचाइजी लीग की बढ़ती संख्या के कारण हो सकता है।

आईपीएल अपनी विशिष्टता खो देगा

वर्तमान में बीसीसीआई केवल महिला क्रिकेटरों और रिटायर्ड पुरुष खिलाड़ियों को विदेशों में फ्रेंचाइजी लीग में खेलने की अनुमति देता है। लेकिन सभी सक्रिय भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने से रोक दिया गया है। बीसीसीआई का मानना है कि अगर भारतीय खिलाड़ी विदेशी लीग में खेलते हैं तो आईपीएल अपनी विशिष्टता खो देगा। हालांकि, बोर्ड अब अपने रुख में बदलाव पर विचार कर रहा है, लेकिन हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों या केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसका मतलब है कि विराट कोहली या रोहित शर्मा बीबीएल या द हंड्रेड या सीपीएल में नहीं खेलेंगे।

विदेशी लीग में आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस- सीएसए टी20 लीग, यूएई टी20 लीग कोलकाता नाइट राइडर्स- कैरेबियन प्रीमियर लीग, यूएई टी20 लीग, यूएसए राजस्थान रॉयल्स- सीएसए टी20 लीग, सीपीएल लखनऊ सुपर जायंट्स- सीएसए टी20 लीग दिल्ली कैपिटल्स- यूएई टी20 लीग, सीएसए टी20 लीग पंजाब किंग्स- सीपीएल सनराइजर्स हैदराबाद- सीएसए टी20 लीग चेन्नई सुपर किंग्स- सीएसए टी20 लीग

बीसीसीआई उम्र का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर का करेगा प्रयोग

नयी दिल्ली , 23 जुलाई 2022। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रायोगिक तौर पर उम्र धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए मौजूदा 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति के साथ एक सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगा, जिसका उद्देश्य नतीजे को तुरंत प्राप्त करने के साथ लागत में 80 प्रतिशत तक की बचत करना है। आयु धोखाधड़ी के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने वाला बीसीसीआई फिलहाल उम्र निर्धारण के लिए 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति (बाएं हाथ और कलाई के एक्स-रे पर आधारित) का उपयोग करता है। वर्तमान पद्धति में हर परीक्षण की लागत 2400 रुपये है और इसके परिणाम आने में तीन से चार दिन का समय लगता है जबकि 'बोनएक्सपर्ट सॉफ्टवेयर' का प्रस्तावित उपयोग तात्कालिक परिणाम देगा और लागत केवल 288 रुपये होगी। पूरी प्रक्रिया की व्याख्या करते हुए बीसीसीआई के नोट में कहा गया, '' आयु की पुष्टि के लिए बीसीसीआई पर्यवेक्षक की उपस्थिति में खिलाड़ियों की कलाई का एक्स-रे कराता है और फिर राज्य क्रिकेट संघ एक्स-रे कॉपी को बीसीसीआई एवीपी (आयु सत्यापन विभाग) के पास भेजता है। '

उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई एवीपी उसे अपने पैनल के दो स्वतंत्र रेडियोलॉजिस्ट को भेजता है।

रेडियोलॉजिस्ट इसका आकलन कर अपनी रिपोर्ट बीसीसीआई को सौंपता है और इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। 38 राज्य संघों के खिलाड़ियों की निगरानी के लिए बीसीसीआई के पास चार रेडियोलॉजिस्ट है।'' इसके मुताबिक, '' बोर्ड प्रयोग पर राज्य संघों के साथ काम करेगा। बोर्ड हालांकि अपने डेटाबैंक में सीमित संख्या में एक्स-रे पर चल रहे परीक्षण डेटा से संतुष्ट हैं, फिर भी हम इससे पूरी तरह संतुष्ट होने के लिए सभी संघों में बड़ी संख्या में एक्स-रे (लगभग 3800) के साथ सॉफ्टवेयर की जांच करना चाहते है।'' बीसीसीआई के अंतर्गत आने वाले टूर्नामेंट में कई बार आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में कई बार धोखाधड़ी के मामले सामने आये है। जून 2019 में, जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज रसिख आलम को गलत जन्म प्रमाण पत्र जमा करने का दोषी पाए जाने के बाद दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। इससे पहले अंडर-19 विश्व कप स्टार मंजोत कालरा, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली के बल्लेबाज अंकित बावने उन क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें अपनी उम्र छुपाने का दोषी पाया गया है। बीसीसीआई ने अगस्त 2020 में अपने पंजीकृत खिलाड़ियों के लिए सही आयु बताने की एक स्वैच्छिक योजना शुरू की थी। बीसीसीआई में उम्र को लेकर धोखाधड़ी करने वाले क्रिकेटरों को दो साल के लिए प्रतिबंधित करने का प्रावधान है।

सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 बाधा दौड़ का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

सिडनी , 23 जुलाई 2022। संयुक्त राज्य अमेरिका की सिडनी मैकलॉघलिन ने शनिवार विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपनी जीत में महिलाओं के 400 बाधा दौड़ के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया। डबल ओलंपिक चैंपियन मैकलॉघलिन ने दौड़ में 50.68 सेकंड का समय निकाला, जून में उसी ट्रैक पर यूएसए ट्रैक एंड फील्ड आउटडोर चैंपियनशिप में निर्धारित 51.41 सेकंड के अपने विश्व रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। डच धावक फेम्के बोल 52.27 के साथ उपविजेता रहे और मैकलॉघलिन की हमवतन दलीला मुहम्मद ने 53.13 में कांस्य पदक जीता।अपने अद्भुत 400 मीटर बाधा दौड़ करियर में यह चौथी बार है जब 22 वर्षीय ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मैकलॉघलिन के हवाले से कहा, यह अवास्तविक है।

अर्जुन कपूर की फिल्म 'कुत्ते' की रिलीज डेट आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की आने वाली फिल्म कुत्ते चार नवंबर को रिलीज होगी। बॉलीवुड फिल्मकार विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'कुत्ते' में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। टी सीरीज की ओर से इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया है कि कुत्ते 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही पोस्ट में फिल्म से जुड़ी कास्ट के बारे में बताया गया है। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के अलावा नसीरुद्दीन शाह, कोंकणा सेन शर्मा, तब्बू, कुमुद मिश्रा, राधिका मदान और शर्दुल भारद्वाज भी नजर आएंगे। गौरतलब है कि 'कुत्ते' का निर्माण लव फिल्म्स और विशाल भारद्वाज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन, विशाल भारद्वाज, अंकुर गर्ग और रेखा भारद्वाज ने किया है। वहीं, इसे गुलशन कुमार और भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। आसमान भारद्वाज निर्देशत यह फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर है।

आशिकाना में एक्शन सिक्वेंस करना पसंद करती हैं खुशी दुबे

वेब शो आशिकाना में चिक्की का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री खुशी दुबे का कहना है कि जब उन्हें यह रोल ऑफर हुआ तो वह बहुत खुश थीं। उन्हें लगता है कि शो में दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए सब कुछ है। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि आशिकाना में मेरी भूमिका किसी भी अभिनेत्री के लिए एक सपने के सच होने की भूमिका है। शो की पूरी अवधारणा हत्या, रोमांस, थ्रिलर है और ये कुछ चीजें हैं जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत पसंद हैं।अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला, जहां मुझे बहुत सारे एक्शन सीक्वेंस करने को मिल रहे हैं।इस बारे में बात करते हुए कि उन्होंने उद्योग में कैसे प्रवेश किया, खुशी कहती हैं, जब मैंने पहली बार कैमरे का सामना किया, तो मैं कैमरे के प्रति बिल्कुल भी सचेत नहीं थी।

मुझे याद है कि मेरे पिताजी के एक दोस्त ने मुझे देखा और उन्होंने कहा, उनकी आंखें वास्तव में बहुत कुछ कहती हैं। आप उसे मीडिया लाइन में क्यों नहीं डालते। मेरे पापा मान गए और फोटोशूट हुआ। मैं वास्तव में कैमरा-फ्रेंडली थी और उसके बाद, विक्रम भट्ट के निर्देशन में मेरा पहला प्रोजेक्ट अनकही था। उन्हें मिली सबसे अच्छी तारीफ, सोशल मीडिया पर बहुत सारे प्रशंसक मुझसे कह रहे हैं कि मेरे अभिनय और एक्शन सीक्वेंस सहज हैं।आशिकाना डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होती है।

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह मुंबई में तेलुगु सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म लाइगर के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर पहुंचे और वहां पर अपने अंदाज से सबका मनोरंजन करते हुए फिल्म पर प्रतिक्रिया दी। रणवीर सिंह हमेशा की तरह यहां भी काफी हाई-एनर्जी के साथ दिखे।इस दौरान रणवीर ने अनन्या पांडे और विजय के साथ अकड़ी पकड़ी गाने पर जोरदार डांस किया।

इस ट्रेलर इवेंट में अनन्या, विजय, रणवीर के अलावा करण जौहर भी मौजूद थे। ट्रेलर की प्रशंसा करते हुए, रणवीर ने कहा, मुझे लगता है कि यह मसाला फिल्मों का समय है और दर्शकों को बड़े पैमाने पर मनोरंजन करने वाले लोग पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म बिल्कुल वैसी ही है और मैं और दर्शक फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

मुझे बड़े पैमाने पर मनोरंजन करने वाले पसंद हैं और मुझे लगता है कि मुझे जो प्यार मिला है, वह सिनेमा के इस ब्रांड के कारण है। विजय इसे रॉक करने वाला है।इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार विजय हैं, जो एक एमएमए खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं। रणवीर के साथ बातचीत करते हुए, विजय ने कहा, जब से मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, मैंने अपने शरीर को ठीक करने का फैसला किया। हां, यह कठिन था, लेकिन इस फिल्म के लिए सब कुछ करने लायक था। मैंने अपना सब कुछ लाइगर (फिल्म) को दिया है। महामारी के लिए धन्यवाद, हमें तैयारी के लिए समय मिल गया।यह पूछे जाने पर कि क्या करण जौहर, रणवीर और विजय को एक साथ किसी फिल्म में कास्ट करने में दिलचस्पी रखते हैं, तो ऐसे में करण जौहर ने अपने प्रतिक्रिया हां में दी और कहा कि अगर दोनों एक्टर साथ में काम करने के लिए तैयार हैं तो मैं फिल्म बना सकता हूं। इसके साथ ही करण जौहर ने अपने दूसरे प्लान भी साझा किए। पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित, धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, लाइगर एक बहुर्चचित फिल्म है। इसमें मुख्य किरदार बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे और साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा हैं। लाइगर 25 अगस्त को रिलीज होगी।

थाई हाई स्लिट ट्रांसपेरेंट ड्रेस में सामने आया रश्मि देसाई का किलर लुक

टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। इंस्टाग्राम पर रश्मि देसाई ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। रश्मि देसाई ने थाई हाई स्लिट ट्रांसपेरेंट ड्रेस में फैंस का दिल जीत रही हैं। रश्मि देसाई ने अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए बालों को खुला छोड़ा हुआ है साथ ही आंखों में काजल के साथ आई लाइनर का भी इस्तेमाल किया है। इसमें उनका दिलकश अंदाज उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

रश्मि देसाई की इन तस्वीरों पर 37 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके है। फोटोज को देखकर भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने शॉकिंग रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस ने लिखा, ओह माय गॉड। इसके साथ ही उन्होंने फायर वाला स्टीकर भी शेयर किया है। इसके अलावा उनकी फोटोज पर करणजीत कौर, करणवीर वोहरा और नेहा अद्विक महाजन ने शानदार रिएक्शन्स दिए हैं। सभी को उनका नया लुक काफी आकर्षक लगा है।

रश्मि देसाई पर उनका ये नया लुक काफी जंच रहा है। फोटोज में उनकी अदाएं तो मदहोश कर देने वाली है। एक्ट्रेस इन दिनों किसी टीवी सीरियल्स में भी नहीं दिख रही हैं। उन्होंने फैंस को उन्हें टीवी पर देखने के लिए बेकरार कर दिया है। रश्मि देसाई ने तुलसी, बलमा बड़ा नादान, हम बलब्रह्मा चारी तू कन्या कुमारी, गजब भाई राम, कब हो गया गौना हम्मार और नदिया के तीर जैसी कई हिट भोजपुरी फिल्मों में काम किया है।

स्वामी विवेकानंद ने जीवन भर युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया:मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री शामिल हुए विवेकानंद राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में

» आज समाज में स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को बढ़ाने की आवश्यकता है

रायपुर, 23 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद ने जीवन भर युवाओं को अच्छे स्वास्थ और अच्छे चरित्र निर्माण के साथ लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में बनने वाला राष्ट्रीय स्मारक अब तक स्थापित उनके सभी स्मारकों से किसी बात में कम नही होगा, हमारी कोशिश होगी कि यह स्मारक सबसे बेहतर हो।

मुख्यमंत्री बघेल आज रायपुर के कोटा स्थित विवेकानंद विद्यापीठ में आयोजित 'विवेकानंद राष्ट्रीय युवा सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि स्वामी विवेकानंद के अमेरिका में तीन और भारत में 12 स्मारक हैं। रायपुर में बनने वाला स्मारक स्वामी विवेकानंद का 16वां स्मारक होगा। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित रामकृष्ण मिशन और विवेकानंद विद्यापीठ के पदाधिकारियों, सम्मेलन के अतिथियों से रायपुर में स्थापित होने वाले स्मारक के स्वरूप के संबंध में सुझाव देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने इसके पहले स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन किया और आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकृष्ण आश्रम, राजकोट के अध्यक्ष श्रीमत् स्वामी निखिलेश्वरानंद ने की। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विवेकानंद विद्यापीठ, रायपुर द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन किया गया। विवेकानंद विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने राज्यगीत और देशभक्ति पूर्ण गीत की संगीतमय प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समाज मे स्वामी विवेकानंद के विचारों के प्रसार और उन्हें आत्मसात करने की जरूरत है। छत्तीसगढ़ से विवेकानंद जी का गहरा लगाव रहा है। कलकत्ता के बाद स्वामी विवेकानंद ने रायपुर में सबसे ज्यादा समय बिताया। स्वामी विवेकानंद के नाम पर

रायपुर के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने संस्मरण बताया कि उन्होंने विपक्ष में रहते हुए रायपुर एयरपोर्ट का नाम विवेकानंद के नाम पर रखने के लिए विधानसभा में एक अशासकीय संकल्प लाया था। स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व इतना विराट है कि उनके नाम पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने सहमति व्यक्त की और संकल्प विधानसभा में पारित हुआ।

मुख्यमंत्री बघेल ने सम्मेलन में स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद भावधारा के संबंध में कहा कि सब को जोडने की बात यदि किसी संत ने कही है तो वह रामकृष्ण परमहंस ने कही और उस बात को चरितार्थ करने का काम यदि किसी ने किया तो विवेकानंद जी ने किया। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने कहा था कि आप किसी भी पद्धति से प्रार्थना करिए या पूजा करें, आप एक ही ईश्वर तक पहुंचेंगे। आप किसी भी रास्ते से चलिए आप पहुंचेंगे एक ही जगह पर। उन्होंने समानता की बात कही, जोडने की बात कही, यही हिंदुस्तान की ताकत है। भारत की धरती से अनेक धर्म निकले हैं। हमें सभी धर्मो का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ में राम कृष्ण मिशन और विवेकानंद विद्यापीठ के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के प्रकाश से जोडने, मानव कल्याण का कार्य इन संस्थानों में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में कहा कि स्वामी विवेकानंद का कहना था कि पश्चिम के विज्ञान को हमें स्वीकार करना होगा और भारत के अध्यात्म को पश्चिम को स्वीकार करना होगा तभी मानवता आगे बढ़ेगी। आजकल राजनीति करने वाले धर्म की बात कर रहे हैं और धार्मिक गुरु चुप बैठे हुए हैं। हम हिंदू हैं, हमें इस बात पर गर्व है लेकिन किसी और धर्म का अपमान करें यह उचित नहीं है। धर्म कभी घृणा की बात नहीं कर सकता। साधु संत के दो काम हैं, जगत का कल्याण और आत्म उन्नति यदि आपके मन में घृणा है तो आप साधु नहीं।

स्वामी निखिलेश्वरानंद ने अध्यक्षीय आसंदी से स्वामी विवेकानंद के कथन को दोहराते हुए युवाओं से कहा कि भारत को प्रेम करें और उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रूको। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युग दृष्ट थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में स्थापित होने वाले स्मारक के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। विवेकानंद विद्यापीठ के सचिव डॉ. ओमप्रकाश वर्मा ने स्वागत भाषण दिया।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिसाहू दास महंत को किया नमन

रायपुर, 23 जुलाई (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में राजनेता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री बिसाहू दास महंत की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया । मुख्यमंत्री ने श्री महंत का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक और मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास के लिए अपनी अमूल्य सेवायें देते हुए छत्तीसगढ़ में सिंचाई और सड़क अधोसंरचना के विकास हेतु अद्वितीय योगदान दिया । हसदेव बांगो परियोजना उनके सपनों का ही साकार रूप है । श्री महंत का पूरा जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा है । छत्तीसगढ़ सरकार उनके आदर्शों के अनुरूप विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

रिचार्ज के बहाने शिक्षक से ठगी, खाते से 67 हजार पार

बिलासपुर, 23 जुलाई 2022। टाटा स्काई रिचार्ज करने का झांसा देकर ठग ने शिक्षक के मोबाइल पर एप डाउनलोड कराया। इसके बाद शिक्षक के खाते से 67 हजार रुपये पार कर दिए। मोबाइल में मैसेज आया, तब शिक्षक को ठगी के बारे में पता चला। पीड़ित शिक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है। तिफरा के विद्युत नगर के रहने वाले अमित डाहिरे सरकारी शिक्षक हैं। उन्होंने 22 जुलाई की सुबह 10.30 बजे टाटा स्काई रिचार्ज का करवाने के लिए गुगल से टाटा कस्टमर केयर नंबर सर्च किया। उस नंबर पर काल रिसीव नहीं किया गया। कुछ ही देर में एक अंजान नंबर से उनके पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को टाटा स्काई कस्टमर आफिस का कर्मचारी बताया। शिक्षक ने अपना टाटा स्काई प्लान बदलकर रिचार्ज करने के लिए कहा। इस पर ठग ने प्?लेय स्टोर से एनी डेस्क एप डाउनलोड करने के लिए कहा।

शिक्षक ने एप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद आनलाइन बैंकिंग के माध्यम से डेबिट कार्ड से 50 रुपये का रिचार्ज करवाया। रिचार्ज होने के कुछ समय बाद शिक्षक के बैंक खाते से अलग-अलग किस्त में 24 हजार 264 रुपये और 40 हजार 28 रुपये कट गए। बैंक से रुपये कटने का मैसेज आया तब शिक्षक को ठगी का पता चला। इस पर शिक्षक ने एप डाउनलोड कराने वाले व्यक्ति से संपर्क किया। लेकिन उसने मोबाइल बंद कर दिया था। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत की।

आवेश में आकर हाथ मुक्का से की मारपीट, जान से मरने की मिली धमकी

बागबाहरा, 23 जुलाई 2022। थाना अंतर्गत ग्राम खोपली में आवेश में आकर हाथ मुक्का से मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी, जिसपर मामला दर्ज किया गया है. सोनालाल यादव ने पुलिस को बताया कि वह ट्रेक्टर चालक का काम करता है। 22 जुलाई 2022 को वह गांव के संजय वर्मा का ट्रेक्टर चलाकर शाम करीबन 04.00 बजे घर आया और खाना खाकर 06.00 बजे घर के सामने चबुतरा में बैठा था उसी समय गांव के हरेन्द्र घृतलहरे आया जिसके साथ वह जमीन संबंधी बातचीत कर रहा था अचानक हरेन्द्र घृतलहरे आवेश में आकर उसे मां बहन की अश्लील गंदी गंदी गाली गलौच कर हाथ मुक्का से मारपीट करते जान से मारने की धमकी देने लगा मारपीट करने से उसके बांये आंख के नीचे चोंट आकर खुन बह रहा था।

युवती की हुई बेरहमी से हत्या,आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव, 23 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में डोंगोरा डैम की पहाड़ियों पर मिली 14 साल की लड़की की लाश के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। किशोरी की हत्या उसके ही गांव के एक युवक ने की थी। आरोपी ने नाबालिग को इसलिए मार दिया, क्योंकि उसने बात करना बंद कर दिया था। वह लड़की को स्कूल से घर छोड़ने के बहाने ले गया और जंगल में चाकू से उसका गला काट दिया। पुलिस ने आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार कर किया है।

युवक ने हत्या की बात कबूल ली है, लेकिन रेप से इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि डोंगरगढ़ क्षेत्र की 9वीं की छात्रा 19 जुलाई को सुबह रोज की तरह स्कूल गई थी। मगर अपने समय पर घर नहीं लौटी। इसके बाद उसके परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इस पर उसके परिजनों ने लड़की के लापता होने की रिपोर्ट मामला मोहारा चौकी में दर्ज कराई थी।

2 दिन बाद डंगोरा डैम की पहाड़ियों में मिली थी लाश

गुरुवार को पुलिस को जानकारी मिली कि डोंगरगढ़ के आगे डंगोरा डैम की पहाड़ियों में एक लड़की की लाश पड़ी है। लाश स्कूल ड्रेस में होने की सूचना थी। ये पता चलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच करने पर पुलिस को पता चला कि वही लड़की है जो 19 जुलाई से लापता है। लड़की का शव मिलने के बाद

डोंगरगढ़ के पास देखा गया था युवक

इस सूचना के बाद पुलिस ने फिर से छबील का नंबर ट्रेस करना शुरू किया। जांच में पता चला था कि वह कुछ दिन पहले डोंगरगढ़ के आस-पास भी देखा गया है। मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने पर नागपुर में मिला। इसके बाद एक टीम नागपुर भेजी गई और उसे वहां से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को छबील ने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। छबील ने बताया कि मैं भी यहीं रहकर पढ़ता था। तब मेरी छात्रा से अच्छी बात होती थी, लेकिन कोरोना के दौरान मैं काम के चक्कर में नागपुर चला गया। इस दौरान उसने मुझसे बात करना ही बंद कर दिया। इसी बात को लेकर वह छात्रा से नाराज था।

पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की थी। पुलिस को सीसीटीवी कैमरे में लड़की एक युवक के साथ बाइक पर बैठकर जाती दिखी थी। पुलिस ने इस दौरान 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

गांव के युवक से मिला सीसीटीवी में दिखे युवक का हुलिया

जांच में पुलिस को यह पता चला कि घटना के दिन पहाड़ी के पास एक युवक संदिग्ध हालत में देखा गया था। इस पर पुलिस ने उस लड़के के बारे में पता लगाया, पुलिस को यह भी पता चला कि वह युवक लड़की के ही गांव का रहने वाला था। सीसीटीवी कैमरे में दिखे युवक का हुलिया भी उसी युवक से मिलता था। ये पता चलने के बाद पुलिस ने उसके गांव में दबिश दी। जिसके बाद पुलिस को पता चला कि युवक घर पर नहीं है। पुलिस ने युवक की पहचान छबील कुर्रे के रूप में की थी। घरवालों से पूछताछ में पता चला कि छबील इन दिनों नागपुर में रहता है। वह घर ही नहीं आया है। यहीं से पुलिस को उस पर शक हुआ।

दंपत्ति डबल मर्डर की गुत्थी सुलझी,दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद, 23 जुलाई 2022। महासमुंद जिले की पुलिस ने सरायपाली क्षेत्र के ग्राम संतपाली में हुए डबल मर्डर की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिसिया जांच में मृतक दम्पती की नातिन के साथ एक आरोपी के प्रेम प्रसंग का एंगल सामने आया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम संतपाली के कोटवार दयालाल ने सरायपाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि कलप राम भोई और उसकी पत्नी सादबती भोई की लाश घर में अलग-अलग खाट पर पड़ी हुई है।

जिस पर सरायपाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। थाना सरायपाली और सायबर सेल की टीम और रायपुर से पहुंची फारेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया था। पुलिस की टीम ने पाया कि मृत दंपती के कच्चे मकान पर बाहर से ताला लगा हुआ था, जिसे खोलकर देखा गया तो मृतक कलप राम एवं मृतिका सातबती भोई दोनो अलग-अलग खाट में मृत हालत में पड़े हुए थे और उनकी जीभ बाहर की ओर निकली हुई है।

पहली नजर में ही मामला हत्या का लगा

प्रथम दृष्टया फारेंसिक टीम ने दोनो की मृत्यु गला दबाने व दम घुटने से होने की आशंका जताई। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के विरुध्द मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया। जाच दौरान पता चला कि आज से 3, 4 माह पूर्व मृतकों की नतनिन का प्रेम प्रसंग जगमोहन श्रीवास के साथ था। जिसके चलते जगमोहन श्रीवास की लड़ाई दंपत्ती के साथ हुई थी। इसी आधार पर पुलिस ने जगमोहन श्रीवास को अभिरक्षा में लेते हुए पूछताछ शुरू की।

पुलिसिया पूछताछ में टूटा आरोपी, कबूली हत्या

शुरुआती पूछताछ में जगमोहन पुलिस को इधर-उधर की बातों में उलझाता रहा, लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो जगमोहन टूट गया। उसने अपने एक दोस्त के साथ हत्या को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी जगमोहन श्रीवास ने बताया कि मृतक की नतनिन के साथ उसका प्रेम संबंध था। मृतकों को दोनो के प्रेम संबंध की जानकारी हो गई और उन्होने जगमोहन के घर आकर झगडा भी किया था। जिससे आहत होकर जगमोहन ने 19 जुलाई की रात अपने एक साथी लव कुमार रत्नाकर को साथ लेकर हत्या की योजना बनाई।

सोल्ड बाइक को हथियाने किया मर्डर,3 आरोपी गिरफ्तार

जशपुर, 23 जुलाई 2022। पत्थलगांव क्षेत्र में दोस्तों ने नई बाईक हथियाने के लिए गला दबाकर अपने ही दोस्त की गला दबाकर हत्या की थी और शव को मृतक की बाइक से ही जंगल ले जाकर पहाड़ी में छिपा दिया. आरोपियों ने 5 दिन बाद पेट्रोल डालकर शव को जंगल में ही जला दिया था. हत्या के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस मामले की जांच कर रही है.

परिजनों ने 17 जुलाई को पत्थलगांव थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. गुमशुदा युवक की बाइक से पुलिस को हत्या का सुराग मिला. मृतक की बाइक से ही शव को जंगल ले जाकर जलाया गया था. मामले का खुलासा होने के बाद आरोपियों की धड़ पकड़ शुरू हो गई है. बताया जा रहा कि इस मामले में 16 लोग शामिल थे. पुलिस ने अब तक 3 आरोपियों को हिरासत में लिया है. जानकारी के मुताबिक इस मर्डर में कुछ आरोपी नाबालिग भी हैं.

जानकारी के मुताबिक 18 वर्षीय इकबाल यादव पिता सनक यादव निवासी पत्थलगांव 17 जुलाई को अपने घर से लापता हो गया था. उसके लापता होने के बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की तो पता चला कि गायब युवक की हत्या की गई है और हत्या करने वाले मृतक के दोस्त हैं. इस मामले में संदिग्ध आरोपियों से जब पुलिस ने पूछताछ की तो मामले की गुत्थी सुलझी।

लावारिस हालत में सिपाही को मिला 45 लाख रुपए

आरक्षक निलाम्बर सिन्हा ने बताया कि इस दौरान अज्ञात व्यक्ति एक बंडल छीनकर फरार हो गया. जिसके पीछे पुलिस लगी हुई है

रायपुर, 23 जुलाई 2022। माना थाना क्षेत्र में 45 लाख रुपए लावारिस हालत में जप्त किये गए है. जानकारी के मुताबिक ये लाखों रूपए एक ट्रैफिक सिपाही को मिला है. ट्रैफिक सिपाही ने ईमानदारी पेश करते हुए सिविल थाने को पैसा सौंप दिया। थाना यातायात कयाबांधा नवा रायपुर में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 1602 निलाम्बर सिन्हा दिनांक 23.07.2022 को प्रातः लगभग 08.30 के मध्य एयरपोर्ट से ड्यूटी कर माना कैम्प जा रहा था। इसी दौरान माना क्षेत्रांतर्गत स्थित राय पब्लिक स्कूल के सामने रोड में उक्त पुलिसकर्मी को एक सफेद रंग का बैग मिला। पुलिसकर्मी द्वारा बैग को खोलकर चैक करने पर बैग के अंदर अलग-अलग बण्डलों में 2000 एवं 500 के नोट रखा होना पाया गया। जिसकी सूचना पुलिसकर्मी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई तथा नोटों से भरे बैग को थाना सिविल लाईन में लाकर जमा किया गया। बैग के अंदर लगभग 45,00,000/- रूपये नगद था जिसे थाना सिविल लाईन पुलिस द्वारा धारा 102 जा.फौ के तहत लावारिस हालत में जप्त कर वारिसान की पतासाजी की जा रही है।

इस प्रकार आरक्षक क्रमांक 1602 निलाम्बर सिन्हा द्वारा नगदी रकम से भरे बैग को थाना में जमा कर ईमानदारी की मिसाल प्रस्तुत की गई। पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा निलाम्बर सिन्हा की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुये उचित ईनाम देने की घोषणा की गई है।

पुलिस भर्ती में लंबाई कम होने पर कर दिया अयोग्य,हाई कोर्ट के आदेश पर हुई फिर हुई जांच,नापजोख में पास होने पर परीक्षा में भाग लेने का मिला अवसर

बिलासपुर, 23 जुलाई 2022। पुलिस भर्ती में ऊंचाई कम होने की वजह से अयोग्य घोषित किए जाने पर उम्मीदवार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. उम्मीदवार की दलालों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने चीफ मेडिकल ऑफिसर के सामने पेश होकर फिर से लंबाई की जांच कराने का आदेश दिया. जांच में याचिकाकर्ता की लंबाई 168 सेमी से अधिक पाते हुए उसे भर्ती के योग्य घोषित किया गया.

जानकारी के अनुसार, राज्य में सूबेदार, सब इन्सपेक्टर एवं प्लाटून कमाण्डर के रिक्त 975 पदों पर भर्ती के लिए सितम्बर 2021 में विज्ञापन जारी किया गया था. भर्ती परीक्षा में पुरुष उम्मीदवारों की न्यूनतम ऊंचाई 168 सेमी निर्धारित की गई थी. जांजगीर-चाम्पा जिला के जैजैपुर तहसील के ग्राम जमड़ी निवासी लकेश कुमार द्वारा उक्त भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन किया था, लेकिन शारीरिक नापजोख के दौरान उंचाई 168 सेमी से कम होने की बात कहते हुए भर्ती कमेटी ने उसे अयोग्य घोषित कर दिया.

भर्ती कमेटी के फैसले से क्षुब्ध होकर लकेश कुमार ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं घनश्याम शर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की. अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और घनश्याम शर्मा ने हाईकोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि पूर्व में वर्ष 2018 में आवेदक ने जिला पुलिस बल, सशस्त्र बल और पुलिस दूरसंचार बल की भर्ती परीक्षा में शामिल हुआ था. तीनों भर्ती परीक्षाओं में आईपीएस अधिकारी की कमेटी ने ऊंचाई 168 सेमी से अधिक होने पर याचिकाकर्ता को नापजोख परीक्षा में पास किया था. ऐसे में चार वर्ष बाद उसकी उंचाई कैसे कम हो सकती है.

हाई कोर्ट ने रिट याचिका को स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिक (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 2021 के नियम 6 उप नियम 10 के तहत् याचिकाकर्ता को पुनः चीफ मेडिकल ऑफिसर के समक्ष उपस्थित होकर पुनः लंबाई की जांच करने का आदेश दिया. याचिकाकर्ता 15 जुलाई 2022 को भर्ती कमेटी के साथ चीफ मेडिकल ऑफिसर, बिलासपुर के समक्ष उपस्थित हुआ. उनके द्वारा जांच के पश्चात लंबाई 168 सेमी से अधिक पाते हुए याचिकाकर्ता को भर्ती परीक्षा के योग्य घोषित किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)